हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 239, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 1 मार्च, 2024 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

जल्द ही तहसील स्तर पर फायर स्टेशन वाला पहला राज्य होगा यूपी : सीएम योगी

अग्निशमन सुरक्षा कवच के सुदृढ़ीकरण के लिए 38 अग्निशमन केंद्रों का लोकार्पण, शिलान्यास

लखनऊ। संकट के समय अग्निशमन सेवाओं की भूमिका से सभी भलीभांति परिचित हैं। इसी को ध्यान में रखकर वर्ष 1944 में प्रदेश में विभाग का गठन किया गया। वर्ष 1944 से 2017 के बीच 73 वर्षों में केवल 288 फायर स्टेशन स्थापित किये गये जबकि पिछले 7 वर्षों में 71 नए फायर स्टेशन स्थापित किए गये। आज हम प्रदेश में तेजी के साथ तहसील स्तर पर एक-एक फायर स्टेशन स्थापित करने की दिशा में अग्रसर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही उत्तर प्रदेश पूरे देश में ऐसा राज्य होगा, जहां तहसील स्तर पर फायर स्टेशन होंगे। हमने कानून व्यवस्था में व्यापक रिफॉर्म के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है साथ ही उनके आधुनिकीकरण के लिए समयबद्ध तरीके से कार्यक्रम आगे बढ़ाए गए हैं। उसी का परिणाम है कि प्रदेश में आज अग्निशमन विभाग प्रदेश की इमरजेंसी सेवाओं में एक बेहतरीन सेवा प्रदान करने के लिए अपने आप को तैयार कर रहा है। हमने विभाग की सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए अब तक लगभग 1400 करोड़ रुपये दिये हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित अग्निशमन सुरक्षा कवच के सुदृढ़ीकरण के लिए 38 अग्निशमन केंद्रों का लोकार्पण/शिलान्यास एवं 35 अग्निशमन वाहनों के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में कही। इस दौरान सीएम योगी ने विभाग की ओर से लगाई गयी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और अधिकारियों से अग्निशमन उपकरणों की जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले सात वर्षों में विभाग के आधुनिकीकरण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं साथ ही समयबद्ध तरीके से विभाग में अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके परिणाम सभी के सामने हैं। पहले अक्सर उद्यमी एनओसी को लेकर शिकायतें करते थे। हमने उसमें कई बदलाव कर उसे सरल किया। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि फायर टेंडर के रिस्पांस टाइम को कम से कम करने पर जोर होना चाहिये ताकि जन-धन की हानि को कम से कम किया जा सके। पिछले कुछ वर्षों में इसमें काफी सुधार भी हुआ है। यही वजह है कि 33,000 से अधिक अग्नि दुर्घटनाओं में 3,780 जनहानि को रोका गया। साथ ही 5000 से अधिक पशुओं के साथ ही 150 करोड़ रुपये की संपत्ति को नष्ट होने से बचाया गया। इसके अलावा विभाग तेज लू के दौरान फसलों में आग लगने की घटनाओं पर काबू पाने के लिए सदैव खड़ा रहता है। इसे ही ध्यान में रखते हुए हमने आपात सेवाओं का उच्चीकरण करने का कार्य किया है। इस दिशा में न केवल अग्निशमन सेवाओं के आधुनिकरण बल्कि प्रदेश में एसडीआरएफ के गठन की कार्रवाई को भी पूरा किया गया है। आज एसडीआरएफ की छह कंपनियां काम कर रही हैं। साथ ही साथ प्रदेश के अंदर स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन करते हुए महत्वपूर्ण इमारतों और संस्थाओं की सुरक्षा के दायित्व को पूरा किया है। इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए प्रदेशवासियों, निवेशकों और टूरिस्ट के विश्वास को और मजबूत करना है। इसी के तहत पहले चरण में जनपद स्तर और दूसरे चरण में तहसील स्तर पर एक से डेढ़ वर्ष में फायर स्टेशन स्थापित हो जाएंगे।

मंत्री न बनाए जाने से नाराज राजभर बोले- राजपाट नहीं मिला तो होली नहीं मनाऊंगा

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बयान दिया है कि अगर राजपाट न मिला तो मैं होली नहीं मनाऊंगा। उन्होंने कहा कि भर जाति का राज पाट होली के दिन ही गया था इसलिए मैं होली नहीं मनाऊंगा। राजभर के एनडीए में शामिल हुए कई महीने गुजर चुके हैं लेकिन अभी तक यूपी सरकार में उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है। वह सार्वजनिक तौर पर कई बार अपनी हताशा जाहिर कर चुके हैं और अब उन्होंने होली न मनाने की बात कही है। राज्यसभा चुनाव में सुभासपा के एक विधायक द्वारा क्रॉस वोटिंग करने पर राजभर ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुभासपा के सिंबल पर अपना प्रत्याशी लड़ाया था उसी ने क्रॉस वोटिंग की है। हम उसकी सदस्यता खत्म कर देंगे। राजभर ने अपने अंदाज में कहा कि 'बात कहता हूं मैं खरा, गोली चले चाहे छर्रा।'

अखिलेश यादव ने सीबीआई को भेजा जवाब, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बयान दर्ज कराने को कहा

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने खनन घोटाले में सीबीआई के समन का बृहस्पतिवार को जवाब भेजा है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने जांच एजेंसी को भेजे गए अपने पत्र में वीडियो कांफ्रेंसिंग से पूछताछ करने और बयान दर्ज कराने की बात कही है। जवाब भेजने की पुष्टि अखिलेश ने खुद भी की है। सूत्रों के मुताबिक अखिलेश ने जवाब में लिखा कि मैं जांच में सहयोग के लिए तैयार हूं। इसमें लखनऊ अथवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ सकता हूं। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव से पहले ही नोटिस क्यों भेजा गया है? वर्ष 2019 के बाद पांच साल तक कोई जानकारी क्यों नहीं मांगी गई। सीबीआई इस मामले में मुझसे क्या पता करना चाहती है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां भाजपा प्रकोष्ठ की तरह काम कर रही हैं। सीबीआई की नोटिस आयी थी जवाब भेज दिया गया है। पत्र में क्या लिखा है यह आप लोग नोटिस भेजने वाले से पता कर लीजिए। लीक करने का काम हम नहीं भाजपा करती है। अखिलेश यादव ने सपा विधायकों की क्रॉस वोटिंग पर कहा कि जो लोग सामने मीठी-मीठी बातें करते हैं और फिर यहां से जाकर धोखा करते हैं। उनके बारे में कैसे पता चलेगा। उन्होंने कहा कि मनोज पांडेय को उप मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। अखिलेश यादव ने क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के बयान पर कहा कि हमने किसी को रामलला के दर्शन करने से नहीं रोका। वो लोग झूठी बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इन चुनाव में सबसे ज्यादा कमजोर है इसलिए, सीबीआई नोटिस भेजी जा रही है।

मैनपुरी पहुंचीं डिंपल: अखिलेश को सीबीआई के समन पर बोलीं- सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही बीजेपी

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी पहुंचीं सपा सांसद डिंपल यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने भाजपा को निशाने पर लिया। कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। हमारे गठबंधन के सामने भाजपा की तैयारियां फीकी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा गठबंधन की ताकत को महसूस कर रही है। सपा और कांग्रेस गठबंधन के आगे भाजपा की तैयारी फीकी है। अखिलेश यादव को सीबीआई का समन पहुंचने पर कहा कि भाजपा लगातार सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा से नाराज है। आने वाले चुनाव में सपा और कांग्रेस गठबंधन बेहतर प्रदर्शन करेगा।

'पत्नी की आत्महत्या के लिए पति तब तक जिम्मेदार नहीं, जब तक ठोस सबूत मौजूद न हो', शीर्ष अदालत की टिप्पणी

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को शादी के सात साल के भीतर आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी तब तक नहीं ठहराया जा सकता, जब तक कि उत्पीड़न या क्रूरता के ठोस सबूत न हों। सर्वोच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। व्यक्ति पर तीन दशक पहले अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप था। भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113ए उन मामलों में पति और ससुराल वालों की ओर से उकसाने की धारणा को तब सिद्ध होती है, जब महिला ने शादी के सात साल के भीतर आत्महत्या की हो और उसके साथ क्रूरता की गई हो। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, "व्यक्ति ने 1992 में शादी की थी। शादी के तुरंत बाद व्यक्ति और उसके माता-पिता ने पैसे की मांग शुरू कर दी। व्यक्ति राशन की दुकान खोलना चाहता था। महिला ने 19 नवंबर 1993 को जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। उसने अपने पति के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या की थी।" करनाल के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 1998 में व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 306 के तहत व्यक्ति को दोषी ठहराया था। इसके बाद पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस फैसले को बरकरार रखा था। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत किसी व्यक्ति को तभी दोषी ठहराया जा सकता है, जब किसी अपराध के लिए उसका स्पष्ट आपराधिक इरादा हो। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ मामले पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, आरोपी को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी ठहराने के लिए महत उत्पीड़न के आरोप पर्याप्त नहीं हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, अदालतों को शादी के सात साल के भीतर महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के मुकदमों में कानून के सही सिद्धांतों को लागू करने में बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

छह महीने में खुद रद्द नहीं हो जाता किसी आपराधिक-दीवानी मामले में दिया स्टे ऑर्डर, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने स्टे ऑर्डर को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। इसी के साथ सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 के अपने ही उस आदेश को पलट दिया है, जिसके तहत पहले हाईकोर्ट और निचली अदालत की तरफ से स्टे के अंतरिम आदेशों को, जब तक कि विशेष रूप से उन्हें बढ़ाने का आदेश न स्पष्ट हो, छह महीने बाद अपने आप रद्द मान लिया जाता था।

तब सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि किसी भी अंतरिम स्टे ऑर्डर को बढ़ाने के लिए अदालतों (हाईकोर्ट या निचली अदालतों) को स्पष्ट आदेश जारी करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच के फैसले के मुताबिक, अब किसी कोर्ट की तरफ से आपराधिक और दीवानी मामलों में दिए गए स्टे ऑर्डर अपने आप छह महीने में खत्म नहीं होंगे। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ इस विषय को लेकर दिशानिर्देश जारी करते हुए यह भी कहा गया है कि संवैधानिक अदालतों, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स को मामलों के निपटारे के लिए समयसीमा तय करने से बचना चाहिए। ऐसा सिर्फ असाधारण स्थितियों में ही किया जाना चाहिए। पीठ इस मामले में दो अलग-अलग, लेकिन सहमति वाले फैसले सुनाए। जस्टिस एएस ओका ने कहा, ह्यासंवैधानिक अदालतों को मामलों का फैसला करने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं करनी चाहिए, क्योंकि जमीनी स्तर के मुद्दे केवल संबंधित अदालतों को ही पता होते हैं और ऐसे आदेश केवल असाधारण परिस्थितियों में ही पारित किए जा सकते हैं। जस्टिस ओका ने खुद और सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा के लिए फैसला लिखा। उन्होंने कहा, ह्याहाईकोर्ट अपने आप रद्द नहीं हो सकते। जस्टिस पंकज मित्तल ने मामले में एक अलग, लेकिन सहमति वाला फैसला लिखा। शीर्ष अदालत ने 13 दिसंबर 2023 को वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी की दलील सुनने के बाद मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हिमाचल में सियासी घमासानः कांग्रेस के छह बागी विधायक अयोग्य घोषित, स्पीकर ने की बड़ी कार्रवाई

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के पास बहुमत होने के बावजूद राज्यसभा की सीट भाजपा की झोली में जाने से सियासी घमासान मचा है। कांग्रेस के बागी विधायकों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। सभी छह बागी विधायक अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं। कांग्रेस के छह बागी विधायकों के भविष्य पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने फैसला सुना दिया है। कांग्रेस विधायक और संसदीय कार्य मंत्री हर्ष वर्धन चौहान ने दलबदल विरोधी कानून के तहत छह विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए याचिका दायर की थी। दरअसल, स्पीकर ने कल दोनों पक्षों को सुना था। आज स्पीकर ने फैसला सुनाया है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने बताया कि दलबदल विरोधी कानून के तहत छह विधायकों के खिलाफ मुझे याचिका मिली थी। छह विधायक जिन्होंने चुनाव कांग्रेस से लड़ा और दलबदल विरोधी कानून के तहत उनके खिलाफ याचिका मिली। मैंने अपने 30 पेज के आदेश में काफी विस्तार से इसकी जानकारी दी है। मैंने उन छह विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया है, अब वे हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सदस्य नहीं हैं। बागी विधायकों पर आरोप है कि भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी के पक्ष में व्हिप जारी होने के बावजूद वोटिंग की। इसके अलावा बजट पारित करने के दौरान व्हिप जारी होने के बावजूद वे सदन से गैर हाजिर रहे। बागी हुए कांग्रेस विधायकों में राजेंद्र राणा, सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, देवेंद्र कुमार भुट्टो, इंद्रदत्त लखनपाल और चैतन्य शर्मा के नाम शामिल हैं। छह विधायकों की सदस्यता रद्द किए जाने पर हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि अभी मेरा इस पर कुछ भी कहना उचित नहीं है। हमारे पर्यवेक्षक यहां आए हैं, उन्होंने परिस्थिति को देखा है और फिर स्पीकर ने फैसला लिया है, इसलिए मेरा इसपर कुछ कहना उचित नहीं है। इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि मामला हाईकमान के ध्यान में लाया गया है। अभी वे पर्यवेक्षक से मिलेंगे और इसके बाद आगामी फैसला लिया जाएगा। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि पर्यवेक्षक यहां आए हैं और चीजें ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। हम उनसे फिर बात करेंगे कि कैसे चीजों को ठीक करना है, हिमाचल देवभूमि है और हम प्रभु राम का भी आशीर्वाद लेकर आए हैं। सबका आशीर्वाद साथ है तो जो होगा अच्छा होगा।

संदेशखाली के मुख्य आरोपी शाहजहां की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय लोगों ने मनाया जश्न, बांटी मिठाई

संदेशखाली। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संकटग्रस्त संदेशखाली में स्थानीय लोगों ने गुरुवार को आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां शेख की गिरफ्तारी का जश्न मनाया। शाहजहां पर महिलाओं के साथ यौन शोषण और जमीन पर कब्जा करने का आरोप था। सभी ने इलाके में खूब मिठाइयां बांटीं। बता दें कि टीएमसी नेता शेख शाहजहां को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। आरोपी को पश्चिम बंगाल पुलिस निदेशालय, कोलकाता में भवानी भवन लाया गया है। पिछले कुछ दिनों से संदेशखाली इलाके में विरोध प्रदर्शन कर रहे स्थानीय लोग सड़कों पर आ गए और खूब मिठाइयां बांटीं और खुशी में झूमने लगे। सभी ने पिछले 55 दिनों से फरार चल रहे शाजहान की गिरफ्तारी का जश्न मनाया। एक स्थानीय ने कहा, 'हम बहुत खुश हैं कि आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हम बस यही उम्मीद करते हैं कि उसे सलाखों के पीछे डाल दिया जाए और वह इस इलाके में कभी वापस न आए। उसने इलाके के कई लोगों की जिंदगियां बर्बाद कर दी हैं।' इसी तरह एक महिला ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की और कहा, 'हमें उम्मीद है कि उसके अन्य सहयोगियों को भी सलाखों के पीछे डाला जाएगा।' संदेशखाली कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर है। यह क्षेत्र सुंदरबन की सीमा पर स्थित, नदी किनारे बसा है। शाजहान शेख और उनके समर्थकों के खिलाफ यौन शोषण और जमीन हड़पने के आरोपों को लेकर एक महीने से अधिक समय से यहां विरोध प्रदर्शन चल रहा था। बता दें कि क्षेत्र में शाहजहां और उनके समर्थकों के खिलाफ जमीन पर कब्जा करने और अधिकारियों से बचने के लिए स्थानीय टीएमसी नेता के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद से यहां अशांति का माहौल उपज गया था। आरोपी शाजहान शेख को गुरुवार सुबह मिनाखान में एक घर से गिरफ्तार किया गया था, जो कि संदेशखाली द्वीप से लगभग 30 किमी दूर है।

हिंद महासागर में बना भारत का 'सैन्य अड्डा', अगालेगा से फेल होगा चीन का स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ ने संयुक्त रूप से मॉरीशस में सेंट जेम्स जेट्टी का आज उद्घाटन किया। इसके साथ ही दोनों ने छह सामुदायिक विकास परियोजनाओं और संयुक्त रूप से मॉरीशस में अगालेगा की नई हवाई पट्टी का भी उद्घाटन किया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ ने कहा कि वास्तव में हम आज अगालेगा द्वीप पर इतिहास बना रहे हैं, जहां नई हवाई पट्टी, नई जेटी और कई अन्य विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है। यह आयोजन मॉरीशस और भारत के बीच उल्लेखनीय और अनुकरणीय साझेदारी के लिए एक और महान क्षण का प्रतीक है। मैं मॉरीशस-भारत संबंधों और साझेदारी को नया आयाम देने के लिए नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जबसे आपने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली है, तबसे आपने हमारे देश पर जो विशेष ध्यान दिया है, उसके लिए मैं आपको मॉरीशस की सरकार और लोगों की ओर से गहरा आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जैसे-जैसे आपका शानदार नेतृत्व दुनिया भर में फैल रहा है, भारत और प्रवासी भारतीयों ने खुद को मूल्यों, ज्ञान और सफलता की वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। वहीं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 6 महीने में हमारे बीच ये पांचवीं मुलाकात है। यह भारत और मॉरीशस के बीच जीवंत, मजबूत और अनूठी साझेदारी का प्रमाण है। ग्लोबल साउथ के सदस्य होने के नाते हमारी प्राथमिकताएं समान हैं। पीएम मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में भारत-मॉरीशस संबंधों को अभूतपूर्व दिशा मिली है। हमने इस रिश्ते में नई ऊंचाइयां हासिल कीं। हमने वैज्ञानिक और ऐतिहासिक संबंधों को एक नया रूप दिया...विकास साझेदारी हमारे संबंधों का प्रमुख स्तंभ रही है...भारत ने हमेशा मॉरीशस की जरूरतों का सम्मान किया है।

रिलायंस ज्वेलर्स में दो करोड़ के आभूषण की लूट

दरभंगा। समस्तीपुर में रिलायंस ज्वेलरी में डकैतों ने बुधवार देर शाम जमकर लूट मचाई। अपराधियों ने केवल 20 मिनट में घटना को अंजाम दे दिया। पुलिसिया पूछताछ के बाद रात करीब 11.30 बजे शोरूम से बाहर निकले अधिवक्ता सुधाकर राय ने बताया कि शाम के करीब आठ बज रहे थे। वह जेवरात की खरीदारी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान हाथ में पिस्टल लिए दो बदमाशों ने पहले प्रवेश किया, पीछे से पांच अन्य बदमाश भी अंदर घुस आए। उनके अलावा कर्मियों को गन प्वाइंट पर लेकर सीढ़ी वाले रूम में बंद कर दिया। सभी के मोबाइल भी लेकर फेंक दिए गए। बदमाशों ने फिर आराम से 15-20 मिनट रहकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। भागने के दौरान एक बदमाश की पिस्टल भी शोरूम के अंदर ही छूट गई। जिसे बाद में पुलिस ने जब्त किया है। राय ने बताया कि सभी बदमाशों के हाथ में पिस्टल थी। जिसके बल पर कर्मियों को बंधक बनाकर रखा था। सीढ़ी वाले गेट पर दो बदमाश पहरा दे रहे थे, ताकि कोई शोर नहीं मचाए। बाहर में भी कुछ बदमाश हो सकते थे, जिससे इनकार नहीं किया जा सकता। बता दें कि रिलायंस के इस शोरूम के मुख्य गेट के दोनों ओर लगा सीसीटीवी कैमरा खराब है। यह कई महीनों से काम नहीं कर रहा है। बताया गया है कि बदमाश शटर गिरा कर भागे, जिस कारण कर्मी यह नहीं देख पाये कि बदमाश किस दिशा में भागे हैं। चूंकि रात होने के कारण लोगों की भी चहलकदमी कम थी, जिससे वह जानकारी नहीं मिल पाई कि बदमाश घटना को अंजाम देने के बाद किस दिशा में भागे हैं। इधर, एसपी संजय पांडेय ने बताया कि लूट की घटना के तुरंत बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर अनुसंधान कर रही है। फॉरेंसिक विभाग की टीम को भी बुलाया गया है। अभी शोरूम के कर्मी जेवरातों का मिलान कर रहे हैं। हालांकि मैनेजर ने कहा कि है बदमाशों ने डेढ़ से दो करोड़ रुपए की लूट की है। कुछ ग्राहक से भी लूटपाट किया गया है।

संपादकीय

पालाबदल का खेला

राज्यसभा के हालिया पंद्रह सदस्यों के चुनाव में कई राज्यों में जिस तरह विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर विरोधी राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के पक्ष में वोट किया है, उसने राजनेताओं की गिरती साख की फिर पुष्टि हुई है। साथ ही घटनाक्रम ने दलबदल कानून की सीमाओं को फिर उजागर किया है। वहीं इस घटनाक्रम से चुनाव प्रबंधन व येन-केन-प्रकारेण जीत हासिल करने के इरादे का पता चलता है, वहीं विपक्ष की कमजोर रणनीति भी उजागर हुई है। हाल ही में संपन्न राज्यसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में विपक्षी सपा के कुछ विधायकों ने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करके उन्हें राज्यसभा तक पहुंचाया। राज्य में संपन्न चुनावों में भाजपा के आठ व सपा के दो प्रत्याशी विजयी रहे हैं। वहीं भाजपा गठबंधन में शामिल एक दल के विधायक द्वारा सपा के पक्ष में मतदान की भी बात कही जा रही है। सबसे बड़ा खेला तो हिमाचल में देखने में आया, जहां आवश्यक संख्याबल न होने के बावजूद भाजपा का प्रत्याशी राज्यसभा के लिये चुना गया। निश्चित रूप से इसके पीछे कांग्रेस के छह विधायकों व तीन निर्दलियों का सहयोग रहा। राज्य में कांग्रेस भरपूर बहुमत के चलते सत्ता में और भाजपा विपक्ष में है। इसके बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी चुनाव हार गये। दूसरी तरफ कर्नाटक में कांग्रेस तीन प्रत्याशियों को राज्यसभा भेजने में सफल रही। बहरहाल, हालिया क्रॉस वोटिंग के घटनाक्रम के बाद हिमाचल की राजनीति में तूफान मचा है। तमाम कांग्रेसी दिग्गज सुक्खू सरकार बचाने की कवायदों में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि क्रॉस वोटिंग करने वाले सुक्खू सरकार की कार्यशैली व पार्टी आलाकमान से नाराज बताए जा रहे हैं। हालांकि, हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार के पास पर्याप्त बहुमत है, लेकिन यदि कुछ और विधायकों का मोहभंग होता है, तो कांग्रेस के लिये मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इसी संशय के चलते कांग्रेसी दिग्गज शिमला में डेरा डाले हुए हैं। राजनीतिक पंडित बता रहे हैं कि हालिया निष्ठाबदल कारगुजारियों का असर आसन्न लोकसभा चुनावों पर भी पड़ सकता है। बहरहाल, राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग कोई नई बात नहीं है, विगत में भी तमाम विधायक पार्टी लाइन से हटकर दूसरे राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को वोट देते रहे हैं। वहीं सरकार बदलने के खेल भी अब आम हो चले हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना में विभाजन के बाद बागी गुट द्वारा भाजपा के समर्थन से सरकार बनाने का ड्रामा लंबे समय तक चला। गोवा में भी पिछले दिनों दलबदल कर सरकार बनाने का राजनीतिक विद्रूप सामने आया था। सत्ता की ताकत और धनबल का जमकर दुरुपयोग होता नजर आया है। विधायकों की बाड़ेबंदी के तमाम प्रसंग पिछले दिनों मीडिया की सुर्खियां बनते रहे हैं। एक दल से चुनाव जीतना और निहित स्वार्थों के लिये विरोधी दल का दामन थाम लेना राजनीतिक विसंगतियों की तसवीर ही उकेरता है। महाराष्ट्र प्रकरण में तो राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणियां की थीं। ऐसे प्रकरणों से राजनीति में नैतिक मूल्यों के पराभव का अक्स तो उभरता ही है साथ ही जनता के साथ भी छल सामने आता है। जनप्रतिनिधि एक राजनीतिक दल के खिलाफ जनता को बरगला कर चुनाव जीतते हैं, फिर उसी विरोधी दल के पक्ष में मतदान करते हैं। इसे स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा तो कदापि नहीं कहा जा सकता। निस्संदेह क्रॉस वोटिंग करने वाले राजनेताओं की राजनीतिक निष्ठा भी संदिग्ध हो जाती है। लेकिन इसके बावजूद ऐसे नेता अपने कृत्य के पक्ष में अतार्किक दलीलें देते नजर आते हैं। दरअसल, ऐसी परिस्थितियों पर न तो राजनीतिक दल ही अंकुश लगा पाते हैं और न ही चुनाव आयोग ही कुछ करने की स्थिति में होता है। नैतिकता का तकाजा है कि यदि किसी विधायक की अपने दल की रीतियों-नीतियों में आस्था खत्म हो गई है तो उसे ईमानदारी से इस्तीफा देकर नया जनादेश लेना चाहिए। मौजूदा दौर में दलबदल कानून को प्रभावी बनाने के लिये सख्त प्रावधानों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। निश्चित रूप से ये निष्ठाएं बदलने का घटनाक्रम लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के भरोसे को तो कम करता ही है।

जागरूक मतदाता के हाथ हो राजनीति की नकेल

देश के मतदाताओं के मन की बात जानने का दावा करने वालों अथवा अनुमान लगाने वालों का, मानना है कि आज की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आम चुनाव में भाजपा को आसानी से बढ़त मिलने की संभावना है। इस ह्यआसानी सेह्ल का सही आकलन तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे, लेकिन यह तय है कि भारतीय जनता पार्टी जिस शिद्दत के साथ चुनाव की तैयारी में लगी है उसमें किसी भी प्रकार की गफलत के लिए कोई जगह नहीं है। जीत की सारी संभावनाओं के बावजूद प्रधानमंत्री समेत भाजपा का समूचा नेतृत्व जीत के लिए हर जरूरी कोशिश में लगा हुआ है। साम-दाम-दंड-भेद में से कुछ भी छोड़ने के मूड में नहीं है भाजपा नेतृत्व। दूसरी ओर, चुनाव को लेकर विपक्ष की कोशिशें अभी तो आधी-अधूरी ही दिख रही हैं। ह्यइंडिया ह्यगठबंधन के शुरूआती दौर में यह अवश्य लगा था कि विपक्ष की कोशिशों में कुछ दम है, पर बात बनी नहीं, कोशिश कमजोर पड़ने लगी। सीटों का बंटवारा आसान नहीं था, यह तो सब जानते थे, पर कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों के स्वार्थ भाजपा से लड़ने के लिए जरूरी मजबूत इरादों की तुलना में इतने कमजोर बन जाएंगे, यह नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने राजनीतिक हितों की रक्षा करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर देश की वर्तमान राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि विपक्ष चुनौती को स्वीकार करने में विफल सिद्ध हो रहा है। आगामी दो महीनों में देश की राजनीति क्या करवट लेती है, यह तो अभी भविष्य के गर्भ में है, लेकिन फिलहाल जो स्थिति बनी है उसमें भाजपा के लिए चुनावी लड़ाई आसान होती दिखाई देने वाली है। यह कतई जरूरी नहीं है कि भाजपा के दावे सिद्ध हों ही, पर आज की तारीख में भाजपा ह्यअबकी बार चार सौ पारह्ल का नारा दे रही है। पूरा समय चुनावी मुद्रा में रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास लगातार तेज होते जा रहे हैं। उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता दिखाई दे रहा है। चुनाव परिणाम भाजपा के विश्वास की कसौटी पर कितने खरे उतरते हैं, अपनी ताकत पर लोकसभा की तीन सौ सीट भाजपा को मिलती है या नहीं, यह आने वाला कल ही बतायेगा। लेकिन इस संदर्भ में इस बात पर गौर किया जाना जरूरी है कि जनतंत्र की सफलता और सार्थकता एक मजबूत विपक्ष पर ही निर्भर करती है। दुर्भाग्य से, आज विपक्ष कमजोर होता दिख रहा है। जनतंत्र की सफलता के लिए सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन होना जरूरी है। संसद में भारी-भरकम बहुमत वाली सरकार के निरंकुश बनने के खतरे बढ़ जाते हैं और विपक्ष का बहुत कमजोर होना भी जनतंत्र की सफलता के लिए खतरा ही होता है। आजादी प्राप्त करने के बाद के दो-एक शुरूआती चुनावों में हमारी संसद में विपक्ष काफी कमजोर था। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी कांग्रेस के सांसदों को आगाह किया था कि विपक्ष की भूमिका भी उन्हें ही निभानी होगी। विपक्ष का काम सरकार के कामकाज पर नजर रखने का होता है। सरकार की निरंतर चौकसी ही जनतंत्र की सफलता की गारंटी होती है। यह चौकीदारी प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए ही संसद और विधानसभाओं में सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन की अपेक्षा की जाती है। सरकार और विपक्ष दोनों की मजबूती ही जनतंत्र को मजबूत बनाती है। दुर्भाग्य से आज जो स्थिति है वह इस संदर्भ में भरोसा दिलाने वाली नहीं है।

दो दशक के भीतर बदल गयी लोगों की मानसिकता, अब खान-पान की बजाय दूसरी चीजों पर बढ़ गया है खर्च

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

नेशनल सैंपल सर्वे की हालिया रिपोर्ट में रहन-सहन और खान-पान के प्रति देशवासियों में जबरदस्त बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर 1999-00 से 2022-23 के दौरान खाने-पीने की वस्तुओं पर खर्चे में तेजी से कमी देखी जा रही हैं वहीं खाने-पीने से इतर अन्य पर खर्च में बड़ा उछाल सामने आ रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि यह बदलाव केवल शहरी क्षेत्रों में हो ऐसा नहीं हैं अपितु ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव की बयार लगभग समान ही नहीं अपितु शहरी क्षेत्र से अधिक ही है। ऐसा नहीं है कि इस दौरान प्रति व्यक्ति व्यय में कमी आई हो अपितु प्रति व्यक्ति व्यय में लगातार बढ़ोतरी ही देखने को मिल रही है। यह रुझान तेजी से बदलती प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट करता है।

एक और तथ्य यह है कि कि खाद्यान्न के उपयोग में कमी आई हैं वहीं अखाद्य सामग्री की खरीद में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दरअसल यह बदलाव बदलते परिदृश्य को भी स्पष्ट करता है। एनएसएस की रिपोर्ट का समग्र विश्लेषण किया जाए तो खाने-पीने की वस्तुओं में चाहे शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, दोनों ही जगह ब्रेवरेज यानि की पेय पदार्थों और प्रोसेस्ड फूड यानी की डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों का उपयोग बढ़ा है पर इन्हें भी शामिल कर लिया जाये तो भी खान-पान पर होने वाला व्यय 1999-00 की तुलना में 2022-23 आते आते बहुत कम हो गया है वहीं अखाद्य वस्तुओं पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों द्वारा दिल खोलकर पैसा खर्च किया जा रहा है। लगता है जैसे अब लोगों की समान रूप से प्राथमिकताएं बदल गई हैं। बल्कि यह कहना अधिक युक्तिसंगत होगा कि अब रहन-सहन और सुख सुविधाओं के उपयोग में गांव किसी तरह से भी शहरों से पीछे नहीं रहे हैं। बल्कि रिपोर्ट से तो यही उभर कर आता है और यह स्पष्ट हो गया है कि माल संस्कृति के बावजूद अब उत्पादकों को ग्रामीण क्षेत्र में अच्छा बाजार मिलने लगा है। इसे अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत भी माना जा सकता है तो दूसरी और मानें या ना मानें पर सर्वे से तो यही स्पष्ट हो रहा है कि अब गांव गांव नहीं रहे और वह शहरों से कहीं पीछे नहीं रहना चाहते। यही कारण है कि उत्पादकों द्वारा अब ग्रामीण क्षेत्र को भी टारगेट बनाकर रणनीति तैयार की जाने लगी है।

देश में दो दशक में ही आये ड्रास्टिक बदलाव को आंकड़ों की भाषा में समझें तो ग्रामीण क्षेत्र में 1999-00 में खाद्य सामग्री पर 59.40 प्रतिशत राशि व्यय की जा रही थी वहीं 2022-23 आते आते यह घटकर 46.38 प्रतिशत ही रह गई। खास बात यह कि इसमें तेजी से बदलाव खासतौर से पिछले एक दशक में देखा गया है। इसी तरह से शहरी क्षेत्र की बात की जाए तो 1999-00 में खाद्यान्न पर खर्चा 48.06 प्रतिशत राशि की जाती थी जो 2022-23 आते आते कम होते हुए 39.17 प्रतिशत रह गई। सबसे खास बात यह कि खाद्यान्न में जो कमी आई है भले ही उसके पीछे विशेषज्ञ एक कारण सरकार द्वारा खाद्य सामग्री का निःशुल्क व कम कीमत पर वितरण माना जा रहा है पर यह गले उतरने वाली बात इसलिए नहीं है क्योंकि खाद्य सुरक्षा के तहत एक सीमा तक ही निःशुल्क खाद्य सामग्री का वितरण हो रहा है। हां कुछ हद तक खाने-पीने के बदलाव की बात कही जाती है पर यह भी सही नहीं मानी जा सकती क्योंकि डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों के उपयोग में उतनी बढ़ोतरी नहीं दिख रही जितनी खाद्यान्न के उपयोग में कमी आई है। लगता है जैसे खाद्यान्न से लोगों का मोहभंग होता जा रहा है। पर इसे भविष्य के लिए शुभ संकेत भी नहीं माना जा सकता।

1999-00 में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्यान्न व खाद्यान्न के विकल्पों पर 22.23 प्रतिशत राशि व्यय होती थी जो दो दशक में ही कम होते होते इकाई की संख्या यानी कि 6.92 प्रतिशत पर आ गई है। यह तो गांवों की स्थिति है। शहरों में भी खाद्यान्न व खाद्यान्न उत्पादों पर होने वाला व्यय 12.39 से कम होकर 4.51 प्रतिशत रह गया है। दूसरी और खाद्य सामग्री में ही ब्रेवरेज और प्रोसेस्ड फूड को लिया जाये तो इसका उपयोग शहरी क्षेत्र में 6.35 प्रतिशत से बढ़कर 10.64 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 4.19 प्रतिशत से बढ़कर 9.62 प्रतिशत हो गया है। दूसरी ओर अखाद्य वस्तुओं की खरीद की बात की जाए तो ग्रामीण क्षेत्र में 40.60 प्रतिशत से बढ़कर 53.62 प्रतिशत हो गई तो शहरी क्षेत्र में 51.94 प्रतिशत से बढ़कर 60.83 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसमें भी ज्यादा उछाल ड्यूरेबल आइटम्स में देखा जा रहा है। लोगों की रुचि वाहन, एसी, फ्रीज, ओवन, फ्लैट्स या मकान आदि की ओर बढ़ा है। तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि कपड़े-जूते और इसी तरह की निजी उपयोग की वस्तुओं पर व्यय में कमी आई है।

दरअसल यह दो दशक में देशवासियों के बदलते मिजाज की तस्वीर है। पर खाने पीने की वस्तुओं के उपयोग में कमी आना, डिब्बा बंद व पेय पदार्थों के उपयोग में बढ़ोतरी चिंता का विषय होनी चाहिए। इसी तरह से ड्यूरेबल आइटम्स के लिए जिस तरह से पर्सनल और अन्य तरह के लोन लेने व क्रेडिट कार्ड के उपयोग के कारण कर्ज के बोझ तले दबने को भी उचित नहीं कहा जा सकता। देखा जाए तो इनसे आज की पीढ़ी व आज के लोग तनाव, कुंठा, प्रतिस्पर्धा आदि को भी बिना किसी तरह का दाम चुकाये प्राप्त करने लगे हैं। एक समय था जब दो टाइम की दाल रोटी पहली आवश्यकता व प्राथमिकता होती थी, वह दो दशक में ही नेपथ्य में चली गई लगती है। सर्वे से यह तो साफ हो गया है कि आज ग्रामीण और शहरी क्षेत्र लगभग एक रफ्तार से एक ही दिशा में बढ़ रहे हैं और गांव शहर का भेद कम हो रहा है पर खाने पीने की आदतों में बदलाव भविष्य की चिंता का कारण बन सकता है।

मनोज पांडेय की बगावत से यूपी में सपा के साथ ही कांग्रेस के भी समीकरण बिगड़ गये हैं

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक) प्रेम में जब बनिया, ब्राह्मणों, क्षत्रियों, कायस्थों और यहां तक की राम भक्तों का कोई महत्व या स्थान ही नहीं है तो वह समाजवादी पार्टी के लिए क्यों वोट करेंगे? उक्त बिरादरी के नेता भी क्यों समाजवादी पार्टी में रहना पसंद करेंगे? राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के जिन विधायकों ने बगावत की उसमें से 5-6 नेता ऐसे हैं जिनकी समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से बस यही नाराजगी थी कि वह उनकी बिरादरियों की अनदेखी कर रहे हैं और उनके इष्ट प्रभु श्रीराम का सम्मान नहीं करते हैं। समाजवादी पार्टी ने अपने स्वभाव में बदलाव नहीं किया तो इसका खामियाजा उन्हें लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है। विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव के समय भी पार्टी में बगावत के सुर फुट सकते हैं। फिर इसकी आंच से ना सपा बचेगी ना कांग्रेस। सपा कांग्रेस की इसी सियासत के चलते रायबरेली में गांधी परिवार का गढ़ संकट में नजर आ रहा है।

रायबरेली के ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय के विधानमंडल के मुख्य सचेतक पद से त्यागपत्र देने के बाद रायबरेली की राजनीतिक सरगर्मी एक बारगी बढ़ गई है। मनोज के इस फैसले के बाद गांधी परिवार के गढ़ की न सिर्फ सियासत बदलेगी, बल्कि आने वाले समय में नए समीकरण भी बनेंगे। राहुल गांधी के लिए ये सियासी बदलाव इसलिए मायने रखता है क्योंकि उनके अमेठी से चुनाव लड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल के वायनॉड संसदीय क्षेत्र में राहुल गांधी के खिलाफ जिस तरह से वहां सत्तारुढ़ वामपंथी पार्टी ने मजबूत घेराबंदी की है, उसके चलते राहुल के वहां से जीतने की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं दिख रही हैं। ऐसा तब हुआ जबकि वामपंथी कांग्रेस के साथ इंडी गठबंधन में शामिल हैं। सपा से बगावत करके बीजेपी में शामिल होने वाले मनोज की छवि कद्दावर ब्राह्मण नेता की है। यही वजह है कि वह सपा में भी पूरे प्रभाव के साथ डटे रहे। ऐसे में वह जिस दल में शामिल होंगे, उसे आगामी लोकसभा चुनाव में भरपूर फायदा मिलेगा। वैसे तो

प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान ही सियासी गलियों में इस बात की चर्चा थी कि मनोज कुमार पांडेय कोई नया राजनीतिक फैसला लेने वाले हैं, लेकिन उस समय यह कयास उल्टा पड़ा। मनोज ने सपा से ही विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल करते हुए हैट्रिक भी लगाई। सपा ने मनोज का ओहदा ऊंचा करते हुए उन्हें विधानमंडल का मुख्य सचेतक नियुक्त किया था। लोकसभा चुनाव से पहले ही मनोज ने सपा को झटका देते हुए मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग भी की।

इस्तीफे के बाद मनोज के भाजपा में जाने की अटकल लगाई जा रही हैं। बहरहाल मनोज चाहे जिस दल में जाएं, लेकिन इसका फर्क रायबरेली-अमेठी की सियासत में पड़ना तय है। वजह रायबरेली और अमेठी में ब्राह्मण वोटरों की अच्छी संख्या है। यहाँ ब्राह्मण वोटर निर्याणक भूमिका में हैं। मनोज की ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि अन्य समाज के वोटरों में भी पैठ मानी जाती है। यही वजह रही कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पूरी ताकत झोंकी थी, लेकिन वह चुनाव जीतने में कामयाब रहे।

अमेठी का किला फतह करने के बाद इस बार रायबरेली की बारी है। यह जुमला पिछले पांच साल से भाजपा नेताओं की जुबां पर है। रायबरेली की सीट जीतना भाजपा का 2014 से मिशन रहा, लेकिन पार्टी इसमें कामयाब नहीं हो पाई। वर्ष 2019 में अमेठी से राहुल गांधी की हार के बाद भाजपाइयों के हौसले बुलंद हैं। उन्हें लगता है कि 2024 में रायबरेली संसदीय क्षेत्र में भगवा लहराएगा। यही वजह रही कि मनोज पांडेय को साधने में भाजपा लगातार जुटी थी, जिसमें उसे अब कामयाबी मिली है। मनोज पांडेय को बीजेपी लोकसभा का चुनाव भी रायबरेली से लड़ा सकती है।

सांसद सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा जाने के बाद रायबरेली सीट से गांधी परिवार के चुनाव लड़ने पर संशय बरकरार है। भले ही कांग्रेस हाईकमान हो या फिर जिले के पदाधिकारी, खुलकर कोई बात नहीं कर पा रहा। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार पर सभी मौन साधे हैं। कुछ यही हालत भाजपा की भी है। वैसे तो कई नेता चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं, लेकिन भाजपा को ऐसा उम्मीदवार चाहिए जो अमेठी की तरह रायबरेली में भी परचम लहरा सके। वर्ष 2019 में भाजपा ने मौजूदा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह को मैदान में उतारा था, लेकिन वह जीत हासिल नहीं कर पाए थे। इस बार किसी कद्दावर नेता की भाजपा को तलाश है। मनोज के रूप में पार्टी की यह तलाश भी पूरी हो सकती है, इसके लिए मनोज तैयार भी नजर आते हैं।

गंभीर संकट बनती वॉयस क्लोनिंग की चुनौती

अली खान

मौजूदा दौर में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक ने सुविधाओं में इजाफा किया है, वहीं इसके गंभीर दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। इन दिनों कृत्रिम मेधा के उपयोग से विकसित वॉयस क्लोनिंग की समस्या काफी गंभीर समस्या बनकर उभर रही है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न वॉयस क्लोनिंग डीपफेक के एक नए रूप में सामने आ रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में साइबर अपराधी इसका इस्तेमाल पैसे ऐंठने के लिए कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लोग अपनी पहचान वालों की आवाज तक को कॉपी करने लगे हैं, जिसे एआई वॉयस क्लोनिंग कहते हैं। इसके विकास के साथ-साथ क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। यह साइबर अपराधियों के लिए एक नया हथियार बन गया है। इसके जरिये किसी को भी आसानी से निशाना बनाकर ठगी की घटना को अंजाम दिया जा सकता है। साइबर क्राइम करने वाले धोखाधड़ी वाली गतिविधियों को अंजाम देने के लिए क्लोन की गई आवाज का उपयोग करते हैं। जैसे कि वे बैंकों, कंपनियों जैसी विश्वसनीय संस्थाओं के प्रतिनिधि , यहां तक कि पीड़ित के दोस्तों या परिजनों का रूप (आवाज) धारण कर व्यक्तिगत जानकारी या धन चुराने का प्रयास करते हुए कॉल करते हैं या ध्वनि मेल संदेश छोड़ते हैं। ताकि लोगों की भावनाओं पर प्रहार करते हुए घटनाओं को अंजाम दिया जा सके। ऐसे में यह

समस्या काफी गंभीर रूप लेती नजर आ रही है।

गौरतलब है, मैकएफी की रिपोर्ट के मुताबिक, 69 फीसदी भारतीय वास्तविक मानव आवाज और एआई जनित आवाज के बीच अंतर करने में असमर्थ पाए गए। इसी कारण वॉयस क्लोनिंग के मामले लगातार सुर्खियों में आ रहे हैं। वहीं, द आर्टिफिशियल इम्पोस्टर की रिपोर्ट के मुताबिक, 47 फीसदी भारतीय या तो पीड़ित हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो वॉयस क्लोनिंग ठगी का शिकार हैं। जबकि वैश्विक स्तर पर ऐसे लोगों की संख्या 25 फीसदी है। इसके अलावा, एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि साल 2022 में साइबर क्राइम के 65893 केस दर्ज किए गए थे। जबकि 2021 में 52974 मामले दर्ज हुए थे। इनमें सबसे अधिक करीब 65 फीसदी मामले धोखाधड़ी के हैं। हैरानी की बात यह है कि आधुनिक होती तकनीक के साथ ठग भी स्मार्ट होते जा रहे हैं। ठगी के परंपरागत तरीकों को छोड़कर ऑनलाइन लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। इनमें सबसे खतरनाक वॉयस क्लोनिंग माना जा रहा है, जिससे ज्यादातर लोग अनजान हैं।

बता दें कि वॉयस क्लोनिंग एक एआई तकनीक है जो हैकर्स को किसी की ऑडियो रिकॉर्डिंग लेने, उनकी आवाज पर एआई टूल को प्रशिक्षित करने और उसे फिर से बनाने की सुविधा देती है। इन दिनों वॉयस क्लोनिंग के लिए काफी सारे पेड और फ्री टूल्स या सॉफ्टवेयर हैं, जिनका इस्तेमाल कर आसानी से वॉयस क्लोनिंग की जा सकती है। एक बार जब आप वास्तविक वॉयस रिकॉर्डिंग का पर्याप्त बड़ा डेटा सेट इकट्ठा कर लेते हैं, तो वॉयस क्लोनिंग ऐप इस डेटा को संपादित या परिष्कृत करना शुरू कर देता है। डेटा को अलग-अलग ध्वनि तरंगों में बांटा गया है ताकि एआई इसे समझकर उस पर प्रतिक्रिया कर सके। एआई फिर इन ध्वनि तरंगों को उनके संबंधित स्वर, भाषा में ध्वनि की सबसे छोटी इकाई के साथ लेबल करता है।

ऐसे में, यह समझने की आवश्यकता है कि वॉयस क्लोनिंग के खतरे व्यक्तिगत या आर्थिक जोखिम तक सीमित नहीं हैं। इस एआई तकनीक का बढ़ता दुरुपयोग काफी नुकसानदेह हो सकता है। एआई विशेषज्ञों का मानना है कि नकली वीडियो और ऑडियो से गलत सूचना या फेक न्यूज की लहर पैदा होगी, जिससे दुनिया के कई देशों में अशांति फैल सकती है और लोकतांत्रिक चुनाव बाधित हो सकते हैं। क्योंकि चुनावों के समय नेताओं के भाषणों के इस्तेमाल से वॉयस क्लोनिंग की समस्या बड़े स्तर पर देखने को मिल सकती है। साइबर अपराधी विभिन्न स्त्रोतों से आवाज के नमूने एकत्र कर सकते हैं, जैसे सोशल मीडिया वीडियो, सार्वजनिक भाषण, यहां तक कि इंटरसेप्ट किए गए फोन कॉल। लिहाजा, आज एआई तकनीक के बढ़ते दुरुपयोग के बीच वॉयस क्लोनिंग की चुनौती से निपटने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों ने वॉयस क्लोनिंग को पहचानने के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। यदि बात करते समय आपके पीछे से अलग तरह का शोर सुनाई पड़े तो इस पर तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। ऐसा तब होता है जब किसी भीड़भाड़ वाले कमरे में आवाज क्लोन की गई हो। हालांकि तकनीक के विकसित होने के साथ इन संकेतों को पहचानना मुश्किल हो जाएगा। इस तकनीक के प्रति जागरूकता ही आपको बचा सकती है। ऐसी कॉल जिसमें आपसे तुरंत पैसों की मांग की जा रही हो उसे गंभीरता से लें और कॉल करने वाले से ऐसे सवाल पूछें जिसका जवाब कोई वास्तविक व्यक्ति ही दे पाए। साथ ही, हमें डिजिटल फुटप्रिंट के प्रति भी सजग रहना आवश्यक है। इसके अलावा, ऑनलाइन अपलोड की जाने वाली चीजों पर विशेष सतर्कता बरतें। अनचाही कॉल या संदेश से सावधान रहें, विशेष रूप से अज्ञात नंबरों से या अति आवश्यकता का दावा करने वालों से सचेत रहने की जरूरत है। यह कहा जा सकता है कि हमारी जागरूकता ही हमें किसी बड़ी ठगी से बचा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

स्नैपडील पर 1200 ब्रांड

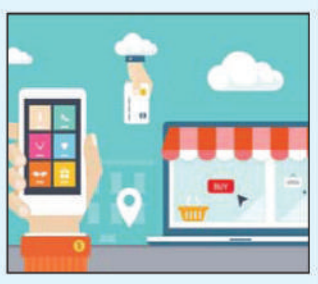

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख वैल्यू ई-कामर्स प्लेटफार्म स्नैपडील ने किफ़ायती दामों पर ब्राण्डेड सामान की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कई नए वैल्यू लाइफस्टाइल ब्राण्ड्स को अपने साथ जोड़ा है। स्नैपडील के साथ जुड़ने वाले इन ब्राण्ड्स में जॉकी, रोज़लीन बाय ज़िवामे, वरंगा, हाउस आफ रामराज काटन, जॉन प्लेयर्स, क्लोविया, रेड टेप, जनास्या, ऑरेलिया, नौटी नाटी और नया ब्राण्ड केच आदि शामिल है। ये ब्राण्ड्स 249 से 999 रुपये की कीमत पर बेहतरीन अपेरेल्स लेकर आते हैं। फुटवियर कैटेगरी में स्नैपडील कॉटन लंदन, कैंपस और एक्शन जैसे ब्राण्ड्स की ओर से शानदार रेंज लेकर आया है, जहां उपभोक्ता मात्र 599 रुपये की शुरुआती कीमत पर आरामदायक और स्टाइलिश फुटवियर खरीद सकते हैं। यह जानकारी कंपनी के सीईओ हिमांशु चक्रवर्ती ने दी।

मोटोराड का नया संस्करण

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू मोटोराड भारत में अपने सर्वाधिक प्रतीक्षित राइडिंग एक्सपीरियंस बीएमडब्ल्यू मोटोराड सफारी का शुभारंभ कर रहा है। केवल मोटोराड ओनर्स के लिए संकल्पित बीएमडब्ल्यू मोटोराड सफारी पूरी दुनिया में अल्टीमेट राइडिंग एक्सपीरियंस प्रदान करता है। यह जानकारी देते हुए बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसीडेंट विक्रम पावाह ने कहा कि, "मोटरसाइकिलिंग महज भ्रमण से कहीं ज्यादा है जो निजी जुनून की खोज करने, अनछुए इलाकों को सामने लाने, और बेमिसाल आजादी को अपनाने के लिए एक विशिष्ट रास्ता प्रदान करता है। बीएमडब्ल्यू मोटोराड अनुभवों का एक विस्तृत संसार प्रस्तुत करता है, जिसे हर राइडर की जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है।

एडलवाइस का नया उत्पाद

मुंबई। एडलवाइस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस ने ग्राहकों के लिए एक व्यापक पारिवारिक प्रस्ताव की जरूरतों से प्रेरित होकर, लिगेसी प्लस लॉन्च किया है। यह ऐसा अभिनव उत्पाद है, जो एक ही उत्पाद के माध्यम से 2 लोगों के लिए लाइफ कवर और 3 पीढ़ियों तक मिलने वाली आय प्रदान करता है। नए उत्पाद पर टिप्पणी करते हुए, एडलवाइस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस के कार्यकारी निदेशक सुभ्रजीत मुखोपाध्याय ने कहा, 'आम तौर पर एक औसत व्यक्ति की 3 बुनियादी चिंताएं होती हैं बच्चे का भविष्य, सेवानिवृत्ति और विरासत (लिगेसी) आदि। ऐसे लोग इन सारी जरूरतों को पूरा करने वाला एक सरल और लचीला वित्तीय समाधान चाहते हैं।

माइक्रोसाफ्ट के विकास केंद्र का गेट्स ने किया दौरा

- गेट्स ने प्रतिभाशाली इंजीनियरों को किया संबोधित
- कंपनी के सह संस्थापक ने की एआई पर चर्चा
- भारत में एआई के अवसरों को लेकर उत्साहित दिखे
- हैदराबाद के विकास केंद्र की है 25वीं वर्षगांठ

नई दिल्ली (भाषा)।

दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कंपनी के हैदराबाद स्थित भारत विकास केंद्र (आईडीसी) का दौरा कर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े अवसरों पर चर्चा की। माइक्रोसाफ्ट ने बयान में कहा कि गेट्स मंगलवार को आईडीसी के दौरे पर पहुंचे जहां पर उन्होंने भारत के कुछ सबसे प्रतिभाशाली इंजीनियरों को संबोधित किया। माइक्रोसाफ्ट आईडीसी के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि गेट्स एआई की वजह से भारत में पैदा हो रहे अवसरों को लेकर आशावादी नजरिया रखते हैं।

कुमार ने कहा, 'एआई-संचालित भारत के अवसर पर गेट्स के आशावाद को दोहराते हुए आईडीसी भारत से माइक्रोसॉफ्ट के लिए एआई और क्लाउड से लेकर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित है।' माइक्रोसाफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने भी हाल की अपनी भारत यात्रा के दौरान एआई के वादे को साकार करने की देश की अद्वितीय क्षमता पर प्रकाश डाला था।

कंपनी ने कहा कि हैदराबाद स्थित विकास केंद्र अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगांठ मना रहा है। गेट्स ने वर्ष 1998 में आईडीसी के गठन की संकल्पना पेश की थी।

वोडाफोन आइडिया का शेयर 14 प्रतिशत लुढ़का

नई दिल्ली (भाषा)।

कर्ज के बोझ से दबी दूरसंचार सेवा कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयर में बुधवार को 14 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,806.71 करोड़ रुपये गिरकर 66,447.95 करोड़ रुपये रह गया।

वीआईएल के शेयरों में आई यह गिरावट इस लिहाज से अहम है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने एक दिन पहले ही 45,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें से 20,000 करोड़ रु पये प्रवर्तकों एवं अन्य निवेशकों से इक्विटी के रूप में जुटाई जाने है जबकि बाकी राशि कर्ज के रूप में जुटाई जाएगी।

सेंसेक्स 790 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 790 अंक का गोता लगा गया। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंक शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 790.34 अंक यानी 1.08 प्रतिशत टूटकर 72,304.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 872.93 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 247.20 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,951.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति, विप्रो, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल शामिल हैं।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट तथा हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढत में रहे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत टूटकर 82.90 डालर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,509.16 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 305.09 अंक चढ़ा था, जबकि निफ्टी 76.30 अंक लाभ में रहा था।

जुनिपर होटल्स का शेयर पहले दिन 11% चढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)। हयात ब्रांड के तहत होटल संचालित करने वाली जुनिपर होटल्स लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने निर्गम मूल्य पर बेहद मामूली बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। हालांकि, बाद में यह 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य 360 रुपये से 0.33 प्रतिशत ऊपर 361.20 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में इसमें तेजी आई और यह 10.36 प्रतिशत उछलकर 397.30 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 1.38% ऊपर 365 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 11.52% बढ़कर 401.50 रुपये के अपने ऊपरी सर्किट स्तर पर बंद हुआ।

निवेशकों की पूंजी छह लाख करोड़ रुपये घटी

नई दिल्ली (भाषा)। बीएसई सेंसेक्स में बुधवार को बड़ी गिरावट के साथ निवेशकों की संपत्ति एक दिन में छह लाख करोड़ रुपये घट गई। इसके साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 6,02,338.56 करोड़ रुपये घटकर 3,85,97,298.49 करोड़ रुपये पर आ गया। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तपसे ने कहा, 'वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के निपटान से पहले भारी बिकवाली दबाव देखने को मिला।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को अगले वित्त वर्ष में 40 प्रतिशत अधिक उड़ानों के परिचालन की उम्मीद

मुंबई (भाषा)।

किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस अपने बेड़े का विस्तार होने से अगले वित्त वर्ष में 40 प्रतिशत अधिक उड़ानों का परिचालन करने की योजना बना रही है। जानकार सूत्रों ने बुधवार को कहा कि एयरलाइन घरेलू मार्गो पर अपनी स्थिति मजबूत करने पर अधिक ध्यान देगी और अब नए गंतव्यों की संख्या नहीं बढ़ाएगी। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के नेटवर्क में कुछ मामूली वृद्धि देखी जा सकती है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 69 विमानों का बेड़ा है और वह हर रोज करीब 350 उड़ानों का संचालन करती है। एयरलाइन में लगभग 1,300 पायलट है जिनमें एयरएशिया इंडिया के 400 पायलट भी शामिल है जबकि अन्य 400 प्रशिक्षण पर है। सूत्रों के मुताबिक, एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ानों के आगामी ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के दौरान नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के लिए उड़ानें शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस को इस साल दिसङ्क्षबर तक अपने 50 व्हाइट टेल बोइंग 737 मैक्स विमानों का ऑर्डर मिल जाएगा। इनमें से वह 13-14 विमानों को पहले ही बेड़े में शामिल कर चुकी है।

इसके साथ ही सूत्रों ने कहा कि एयरलाइन को अगले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक एयरएशिया इंडिया का उसके साथ विलय पूरा होने की उम्मीद है। एयर इंडिया एक्सप्रेस को उम्मीद है कि विलय पूरा होने पर इस साल जुलाई-अगस्त तक एयरएशिया इंडिया का समूचा बेड़ा उसके हवाई परिचालन परमिट पर आ जाएगा। फिलहाल इसके परिचालन परमिट पर एयरएशिया इंडिया के बेड़े में तीन ए320 नियो विमान है।

देश में अमीरों की संख्या बढ़ी

छह फीसद की बढ़ोतरी के साथ यह तादाद अब 13263 पर पहुंची

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत में अत्यधिक अमीर व्यक्तियों की संख्या बीते साल यानी 2023 में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 13,263 हो गई है। नाइट फ्रैंक इंडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बढ़ती समृद्धि के कारण अति-उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों (यूएचएनडब्ल्यूआई) की संख्या 2028 तक बढ़कर करीब 20,000 हो जाएगी। यूएचएनडब्ल्यूआई को ऐसे व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डालर या उससे अधिक है। बुधवार को एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने 'द वेल्थ रिपोर्ट-2024' जारी करते हुए कहा कि भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 2023 में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 13,263 हो गई, जबकि इससे पिछले वर्ष यह 12,495 थी। भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या के 2028 तक बढ़कर 19,908 होने की उम्मीद है।

नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 90 प्रतिशत भारतीय यूएचएनडब्ल्यूआई की संपत्तियों में 2024 में बढ़ोतरी की उम्मीद है। वहीं 63 प्रतिशत की संपत्तियों के मूल्य में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर अमीरों की संख्या अगले पांच साल में 28.1 प्रतिशत बढ़कर 8,02,891 होने का अनुमान है। वर्ष 2023 में वैश्विक स्तर पर यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 4.2 प्रतिशत बढ़कर 6,26,619 हो गई, जो एक साल पहले 6,01,300 थी। यह वृद्धि 2022 में देखी गई गिरावट से कहीं अधिक है। विभिन्न देशों की बात की जाए, तो तुर्किये में अमीरों की संख्या में सालाना आधार पर सबसे अधिक 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसके बाद अमेरिका में अमीरों की संख्या 7.9 प्रतिशत, भारत में 6.1 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 5.6 प्रतिशत और स्विट्जरलैंड 5.2 प्रतिशत बढ़ी है।

कुछ FPI को खुलासा नियमों से छूट संभव

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कुछ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए बढी हुई खुलासा जरूरत से संबंधित नियमों में ढील देने का प्रस्ताव किया है। नियामक का मानना है कि इससे कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर किया जा सकेगा।

अपने परामर्श पत्र में सेबी ने श्रेणी एक के विश्वविद्यालय कोषों और विश्वविद्यालय से संबंधित ऐसे 'एंडाउमेंट' एफपीआई को छूट देने का सुझाव दिया है जो विशिष्ट मानदंडों को पूरा करते हैं। इसके अलावा सेबी ने बिना प्रवर्तक समूह के इकाइयों में केंद्रित हिस्सेदारी रखने वाले कोषों को भी छूट का प्रस्ताव किया है। यह छूट ऐसे मामलों में होगी जहां न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की जरूरतों के उल्लंघन का जोखिम नहीं होगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने प्रस्तावों पर आठ मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं।

पिछले साल अगस्त में सेबी ने एफपीआई से कहा था कि वे उनमें किसी तरह का स्वामित्व, आर्थिक हित या नियंत्रण रखने वाली इकाइयां का ब्योरा दें। इसके लिए कोई सीमा तय नहीं की गई थी। अपने परामर्श पत्र में, सेबी ने कुछ शर्तो के तहत श्रेणी एक एफपीआई के रूप में पंजीकृत विश्वविद्यालय कोष और विश्वविद्यालय से संबंधित 'एंडाउमेंट' को खुलासा आवश्यकताओं से छूट देने का सुझाव दिया है। इसके लिए शर्त यह है कि संबंधित विश्वविद्यालय नवीनतम उपलब्ध क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के अनुरूप शीर्ष 200 में होना चाहिए।

ऐसे कोषों का भारत में इक्विटी एयूएम उनके वैश्विक एयूएम के 25 प्रतिशत से कम होना चाहिए। वैश्विक स्तर पर उनके प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 10,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

मलाबार गोल्ड भारत में 10 नए स्टोर खोलने का तैयार

नई दिल्ली (वि)। ज्वैलरी के क्षेत्र में प्रमुख रिटेलर्स में से एक मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, दुनिया भर में अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए भारत में 10 नए रिटेल स्टोर खोलने के लिए तैयार है। कंपनी का लक्ष्य मार्च के महीने तक दुनिया भर में 350 स्टोर खोलने का है। हाल ही में मलाबार को विश्व के छठे सबसे बड़े ज्वैलरी ग्रुप का दर्जा दिया गया है। डेलॉयट की लक्जरी गुड्स ग्लोबल रैंकिंग में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स 19वें पायदान पर है। भारत के महाराष्ट्र में लातूर, सतारा और नागपुर में कंपनी के स्टोर्स खोले जाएंगे। कर्नाटक में कोलार और वाइटफील्ड, राजस्थान में जयपुर, दिल्ली में चांदनी चौक, आंध्रप्रदेश में वनस्थलीपुरम, पंजाब में पटियाला और पुडुचेरी में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के नए स्टोर खुलेंगे। राजस्थान और पुडुचेरी में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के यह पहले स्टोर्स होंगे। कंपनी के आठ अन्य स्टोर्स देश के उन राज्यों में खोले जाएंगे, जहां कंपनी ने पहले ही अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा ली है। यह जानकारी मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने दी।

मार्च तक दुनिया भर में 350 स्टोर खोलने की योजना

किसान कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शाह

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना के तहत अब तक तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में डाली जा चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को यह बात कही। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एक केंद्रीय योजना है, जिसमें भारत सरकार सौ प्रतिशत योगदान देती है। यह योजना एक दिसम्बर, 2018 से चालू है।

योजना के तहत, जिन किसानों के पास खेत हैं, उन्हें तीन समान किस्तों में हर साल 6,000 रुपये दिए जाते हैं। यह धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। आज मोदी जी 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 16वीं किस्त के तहत ₹21 हजार करोड़ से अधिक की राशि नौ करोड़ से अधिक किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में भेजेंगे।' गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से अब तक करोड़ों किसानों को फायदा हुआ है। उन्होंने आगे लिखा, 'अब तक 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' से करोड़ों किसान लाभान्वित हुए हैं। उन्हें तीन लाख करोड़ से अधिक की राशि सीधे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से दी गई है। डीबीटी के जरिये भुगतान करने वाली यह दुनिया की सबसे बड़ी योजना है।' शाह ने कहा कि यह योजना किसानों के जीवन को आसान बनाने और कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक साबित हुई है।

डब्ल्यूटीओ वार्ताओं में सेवाओं के व्यापार पर नहीं दिया जाता ध्यान

अबू धाबी (भाषा)।

सेवाओं के व्यापार की कुल वैश्विक वाणिज्य में 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, लेकिन इसपर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की वार्ताओं में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विशेषज्ञों और अधिकारियों ने यह बात कही है। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि विश्व व्यापार संगठन के विकसित या अमीर सदस्य देश केवल अपने गैर-व्यापार एजेंडा को आगे बढ़ाने में रुचि रखते हैं और उन मुद्दों पर ध्यान नहीं देते हैं, जिनपर पर वास्तव में विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। डब्ल्यूटीओ के 166 सदस्य देशों के व्यापार मंत्री और अधिकारी कृषि और मत्स्य पालन सब्सिडी जैसे व्यापक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए यहां एकत्र हुए हैं। डब्ल्यूटीओ के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी13) का बुधवार को तीसरा दिन है। एमसी डब्ल्यूटीओ का निर्णय लेने वाला शीर्ष निकाय है।

एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ कहते हैं, 'डब्ल्यूटीओ में स्वच्छता, व्यापार में तकनीकी अड़चनें और पारस्परिक मान्यता वाले समझौते (एमआरए) जैसे व्यापार से संबंधित पर्याप्त मुद्दे हैं, लेकिन विकसित देश नए मुद्दों को आगे बढ़ाना चाहते हैं।'

इसी तरह की राय जताते हुए एक अधिकारी ने कहा कि सेवा व्यापार पर इस संदर्भ में कोई चर्चा नहीं हुई है कि इसे कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। कुशल पेशेवरों की आवाजाही भी इसमें आती है। अधिकारी ने कहा, 'इसपर कोई बातचीत नहीं हुई है।'

एक अन्य विशेषज्ञ ने कहा कि उभरते देशों से अमीर देशों की ओर 'देखभाल करने वालों' की आवाजाही जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि भारत जैसे देश अगले 25 साल के लिए जनसांख्यिकीय लाभ की स्थिति में हैं और यूरोपीय संघ के देश इस मामले में पीछे हैं। अधिकारी ने कहा, 'लेकिन वे आव्रजन या आवाजाही नियमों को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।'

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि कुल विश्व व्यापार में सेवा क्षेत्र का हिस्सा 20 प्रतिशत से अधिक है।

सेमीकंडक्टर का घरेलू विनिर्माण महत्वपूर्ण : सचिव

मुंबई (भाषा)।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (मेइटी) के सचिव एस. कृष्णन ने बुधवार को कहा कि सेमीकंडक्टर का घरेलू विनिर्माण महत्वपूर्ण है और इसमें वृद्धि की काफी संभावना है। कई कंपनियों के इस क्षेत्र में आने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि देश को दो अरब डालर की डिजिटल अर्थव्यवस्था की जरूरत है।

कृष्णन ने इंडिया डिजिटल शिखर सम्मेलन (आईडीएस) 2024 में अपने 'ऑनलाइन' संबोधन में कहा कि अगले कुछ वर्षों में डिजिटल अर्थव्यवस्था तेज गति से बढ़ने की उम्मीद है।

अगले दशक में दोगुना होगा खुदरा क्षेत्र

नई दिल्ली (भाषा)।

देश का उपभोग बढ़ने के साथ अगले दशक में भारत का खुदरा क्षेत्र 9-10 प्रतिशत की दर से बढ़कर 2,000 अरब डालर तक पहुंच जाएगा। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और भारतीय खुदरा संघ (आरएआई) की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, संगठित खुदरा विक्रेताओं को अपना बेहतर प्रदर्शन आगे भी बनाए रखना होगा। यह क्षेत्र वृद्धि की गति और आकार को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण बदलावों से गुजर रहा है। इसमें कहा गया कि आय वृद्धि स्थिर रहने के बीच उपभोक्ता व्यक्तिगत आय को लेकर आशावादी है। उपभोक्ता तेजी से नए अनुभवों पर खर्च करना चाहते है या नए उपायों से अधिक बचत करना चाहते है।

बीसीजी के प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ भागीदार अभीक सिंघी ने कहा, 'अगले दशक में भारतीय खुदरा क्षेत्र का आकार दोगुना होकर 2,000 अरब डालर तक पहुंच जाएगा। विभिन्न श्रेणियों और प्रारूपों में ऐसे विक्रेता सफल होंगे, जिनकी नकदी स्थिति अच्छी होगी।

मुंबई हवाईअड्डे पर यातायात की स्थिति सुधरी

मुंबई (भाषा)।

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा है कि उसके द्वारा उठाए गए कदमों के बाद मुंबई हवाईअड्डे पर हवाई यातायात की स्थिति सुधरी है और देरी से आने वाली उड़ानों की संख्या में कमी आई है। दो माह पहले मंत्रालय ने हवाई अड्डे पर भीड़ को कम करने के लिए उड़ानों में कमी करने के साथ अन्य निर्देश दिए थे। शहर का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (सीएसएमआईए) देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है।

मंत्रालय ने 11 नवम्बर-10 दिसम्बर, 2023 और 16-24 फरवरी, 2024 की समय अवधि के बीच उड़ानों आगमन के आधार पर हवाई यातायात रुझानों की तुलना करते हुए कहा है कि उसके निर्देशों के वांछित नतीजे मिल रहे हैं। इसके अलावा मंत्रालय चीजों पर नजदीकी नजर रख रहा है। मंत्रालय ने कहा कि 16-24 फरवरी की अवधि के दौरान हवाई अड्डे पर 4,337 विमान आए। इनमें से एक भी उड़ान के आने में एक घंटे से अधिक की देरी नहीं हुई। वहीं 178 विमानों के आगमन में 30 से 60 मिनट का विलंब रहा।

आंकड़ों के मुताबिक, 570 विमान तय समय से पहले आए, 2,469 विमान 0-15 मिनट की देरी से आए और 1,120 विमान 15-30 मिनट की देरी से आए। वहीं दूसरी ओर 11 नवम्बर-10 दिसम्बर, 2023 की अवधि के दौरान 14,476 विमान हवाई अड्डे पर आए।

निवेश योग्य संपत्ति का 17% लक्जरी उत्पादों पर खर्च करते हैं भारतीय

नई दिल्ली (भाषा)।

देश के अत्यधिक अमीर लोग अपनी निवेश योग्य संपत्ति का 17 प्रतिशत विलासिता की वस्तुओं में लगाते हैं। उनकी पहली प्राथमिकता लक्जरी घड़ियां होती हैं। इसके बाद कलाकृतियों और आभूषण का नंबर आता है। नाइट फ्रैंक इंडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने बुधवार को 'द वेल्थ रिपोर्ट-2024' जारी की। इसमें कहा गया है कि अत्यधिक उच्च नेटवर्थ वाले लोगों (यूएचएनडब्ल्यूआई) ने अपनी निवेश योग्य संपत्ति का 17 प्रतिशत विलासिता या लक्जरी में लगाया है।

तीन करोड़ डालर से अधिक के नेटवर्थ वाले लोग यूएचएनडब्ल्यूआई की श्रेणी में आते हैं। सलाहकार कंपनी ने कहा कि किसी चीज का स्वामित्व रखने की खुशी प्रमुख कारण है जिसकी वजह से यूएचएनडब्ल्यूआई लक्जरी संपत्तियों में निवेश कर रहे हैं।

भारतीय यूएचएनडब्ल्यूआई में लक्जरी घड़ियां निवेश का पसंदीदा विकल्प हैं। इसके बाद कलाकृतियां और आभूषण आते हैं। 'क्लासिक' कारें चौथे स्थान पर हैं। इसके बाद लक्जरी हैंडबैग, वाइन, दुर्लभ व्हिस्की, फर्नीचर, रंगीन हीरे और सिक्कों का स्थान आता है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर बेहद अमीर लोगों की पसंद लक्जरी घड़ियां और क्लासिक कारें हैं। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने रिपोर्ट में कहा, 'भारत के समृद्ध वर्ग ने लंबे समय से विभिन्न श्रेणियों में संग्रहणीय वस्तुओं के प्रति रुचि दिखाई है।

घरेलू और वैश्विक दोनों बाजार ऐसी वस्तुओं के लिए काफी अधिक रिटर्न की पेशकश करते हैं। भारत के अति-धनी वर्ग सक्रिय रूप से इसपर ध्यान दे रहा है।'

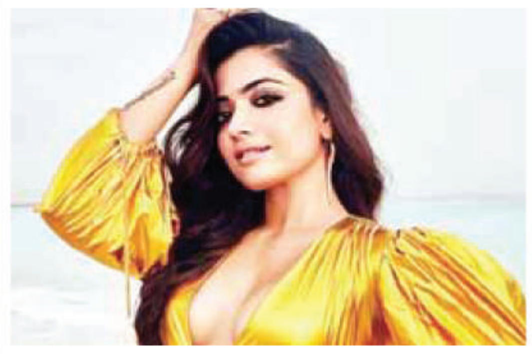

रश्मिका मंदाना ने फ्यूचर हसबैंड की बताई क्वालिटी

रश्मिका मंदाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के पोस्ट पर कमेंट करती हैं और उनके सावलों के बड़े ही मजेदार जवाब भी देती रहती हैं। एनिमल एक्ट्रेस रश्मिका लंबे समय से अपनी शादी को लेकर लोगों के बीच चर्चा में बनी हुआ हैं। इस बीच अब एक एक फैन क्लब की पोस्ट पर नेशनल क्रश ने अपने फ्यूचर हसबैंड की क्वालिटी बताते हुए होने वाले पति को लेकर भी हिंट दी है। इसके बाद से एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने पोस्ट पर जो कमेंट किया है, उसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

फैंस ने रश्मिका मंदाना की शादी पर किया सवाल

रश्मिका मंदाना ने कमेंट में बता दिया कि उनका फ्यूचर हसबैंड कैसा होना चाहिए। काफी समय से अफवाह है कि रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट भी किया गया है। अभी तक रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अपने रिलेशनशिप पर चुप्पी बनाए हुए हैं। रश्मिका ने फैन पेज के पोस्ट पर जो कमेंट किया है, जिसमें इशारों-इशारों में एक्ट्रेस ने बता दिया है कि उन्हें कैसा पति चाहिए।

पोस्ट में लिखा है, रश्मिका मंदाना का पति बनने के लिए किसी शख्स में क्या क्वालिटीज होने चाहिए? उनके पति को VD जैसा होना चाहिए... जो उन्हें प्रोटेक्ट कर सके। इस पर रश्मिका ने जवाब दिया, यह बिल्कुल सच है। जब उनके और विजय देवरकोंडा के बीच डेटिंग की अफवाहों की बात आती है। इस कमेंट के बाद प्रशंसक विजय देवरकोंडा के नाम को लेकर इशारा समझ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, मुझे लगता है कि रश्मिका भविष्य में वीडी से शादी करेंगे।

नेहा कक्कड़ ने रोहनप्रीत सिंह से तलाक की खबर पर अब तोड़ दी चुप्पी

साल 2021 में शादी के बंधन में बंधे सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह अक्सर चर्चा में रहते हैं। हालांकि उनकी शादी की बाद से लगातार अफवाहें भी साथ में हैं। कई बार नेहा कक्कड़ की प्रेगनेंसी की खबर भी सामने आ चुकी है लेकिन हर बार ये सिर्फ एक अफवाह साबित हुई है। लेकिन अब नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह के तलाक की खबरें आम हो रही हैं। कई महीनों से ऐसा रहा जा रहा है कि दोनों के बीच में सबकुछ नॉर्मल नहीं है। हालांकि अब नेहा कक्कड़ ने इसको लेकर अपनी चुप्पी तोड़ दी है। नेहा कक्कड़ ने तलाक और रोहनप्रीत को लेकर कुछ ऐसा कहा है जो कि खबरों का हिस्सा है और लगातार वायरल हो रहा है। उनका कहना है ये अफवाह है और उनकी शादी के बाद से कई अफवाहें उनके पीछे हैं। इस दौरान नेहा कक्कड़ एक मीडिया से बात करते हुए कहा कि, शादी के बाद से दो अफवाहें उड़ रही हैं, एक की मैं प्रेगनेंट हूं और दूसरी ये कि मेरा तलाक हो रहा है। ये बाते सुनना मेरे लिए काफी बुरा है, मैं पूरी कोशिश करती हूं कि इसपर ध्यान ना दूं।

विक्की-कैटरीना की इस बात पर होती है बहस

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ की जोड़ी को फैंस बहुत पसंद करते हैं। दोनों हमेशा अपने रिश्ते से जुड़ा कुछ ऐसा बताते हैं कि फैंस सुनकर दीवाने हो जाते हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान विक्की कौशल ने बताया कि शादी के बाद उनकी लाइफ कितनी बदल गई है। साथ ही कैटरीना कैफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें भी शेयर की। विक्की कौशल ने अपनी लाइफ और कैटरीना कैफ से जुड़े तमाम सवालों का जवाब दिया। विक्की का कहना है कि कैटरीना ने उन्हें पहले से ज्यादा धैर्यवान बनने में मदद की है। वो कहते हैं कि 10 में से 8 बार एहसास हुआ कि चीजों को लेकर एक अलग नजरिया हो सकता था, पर वो खुद की बात पर जिद कर के अटके रहते थे। वो कहते हैं, बेकार की बातों पर बहस होती थी। अब हम ऑनलाइन कौन सा खाना ऑर्डर करना है, कहां छुट्टियां मनानी हैं और हर टॉपिक पर पहले बात करते हैं और फिर जब हम दोनों को सही लगता है, तो फैसला लेते हैं।

फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपनी फोटोज से सोशल मीडिया पर धूम मचा देती हैं। जो भी है, फैंस उनका बिंदास अंदाज बहुत पसंद करते हैं। बता दें कि

41 साल की होने के बाद भी सोफी सिंगल लाइफ जी रही हैं और अभी तक शादी का कोई विचार नहीं है। एक्टर के साथ-साथ सोफी सिंगर भी है...

40 पार वाली ये हसीनाएं आज भी सिंगल लाइफ कर रही हैं एंजॉय

सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन 48 साल की हैं। आज भी लगातार अपनी परफॉर्मेंस से फैंस को खुश

कर रही हैं। जल्द ही एक्ट्रेस को मिस यूनिवर्स बने 30 साल भी होने वाले हैं। हालांकि, शादी को लेकर सुष्मिता का कोई प्लान नहीं हैं। वो अपनी लाइफ को बिना किसी झिझक के खुलकर जीना पसंद करती हैं।

अमीषा पटेल

अमीषा पटेल को आज भी फैंस उतना ही प्यार करते हैं, जितना पहले करते थे। 48 साल की अमीषा का भी शादी की कोई प्लान नहीं हैं। खूबसूरत और फैशन के मामले में भी एक्ट्रेस सभी को पीछे छोड़ देती हैं।

दिव्या दत्ता

भाग मिल्खा भाग, स्पेशल 26, वीर जारा, एलओसी कारगिल, दिल्ली 6 और ऐसी ही ढेर सारी हिट फिल्मों का दिव्या दत्ता हिस्सा रह चुकी हैं। 46 साल की उम्र में वो भी सिंगल लाइफ को एंजॉय कर रही हैं।

तब्बू

सालों के रिलेशनशिप के बाद भी तब्बू सिंगल हैं। एक्ट्रेस 52 साल की हैं। आज भी तब्बू अपने काम को बखूबी कर रही हैं और उनके किरदारों को लोग जमकर प्यार भी दे हे हैं। कुछ समय पहले करीना ने भी कहा था कि तब्बू जैसे सितारे बहुत मेहनत करते हैं।

अनन्या पांडे बनने वाली है मौसी

एक्ट्रेस अनन्या पांडे की कजिन बहन अलाना पांडे ने बीते साल मार्च में अपने विदेशी ब्वॉयफ्रेंड इवोर मैकक्रे से शादी की थी। इस कपल ने पूरे हिंदू रीति-

रिवाजों से एक दूसरे को अपना जीवन साथी चुना था। वहीं अब इस कपल ने फैंस के साथ बड़ी न्यूज शेयर की है, जिसमें इन्होंने बताया है कि ये जल्द पेरेंट्स बनने जा रहे हैं। अलाना पांडे ने खुद ये गुड न्यूज फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की है। अलाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति इवोर मैकक्रे के साथ एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अलाना अपना बेबी बंप शो करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा वीडियो में अलाना के सोनोग्राम की भी एक झलक देखने को मिलती है। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, हम आपसे पहले से ही बहुत प्यार करते हैं, हम आपसे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

सेलेब्स दे रहे हैं बधाई

अलाना के इस पोस्ट पर पांडे परिवार से लेकर सेलेब्स उन्हें बधाई देता नजर आ रहा है। अलाना की दोस्त चंद्री कारावी ने लिखा, ओमजी बधाई हो, आप दोनों के लिए खुश हूं। इसके अलावा अलाना पांडे की चाची और अनन्या पांडे की मम्मी ने लिखा है, अलाना हमें भी इसका इंतजार नहीं हो रहा है, आप दोनों को ढेर सारा प्यार और बेस्ट विशेज। तानिया श्रॉफ ने लिखा, बधाई हो। आलिया कश्यप ने लिखा, ओमजी!! मैं आप लोगों के लिए बहुत खुश हूं... बधाई हो।

दलेर मेहंदी रीबूट में राजकुमार राव व तृप्ति डिमरी आएंगी नजर

पंजाबी गायक दलेर मेहंदी के प्रतिष्ठित गीत ना ना ना ना रे को रीबूट किया जा रहा है और इसमें उनके साथ बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी शामिल होंगे, जो एनिमल की सफलता के साथ ऊंची उड़ान भर रहे हैं। यह गाना उत्तर भारत में शूट होने वाली एक आगामी फिल्म का हिस्सा होगा। गाने का म्यूजिक वीडियो ऋषिकेश की प्राकृतिक पृष्ठभूमि पर सेट किया जाएगा। यह गाना, जो मूल रूप से दलेर मेहंदी और समीर अंजान द्वारा लिखे गए अपने प्रतिष्ठित हुक के साथ बनाया गया था, सचिन जिगर

द्वारा फिर से बनाया गया है। गाने के बारे में बात करते हुए दलेर मेहंदी ने एक बयान में कहा, ना ना ना ना रे को इतने उत्साह के साथ दोबारा इस्तेमाल होते देखना वाकई संतुष्टिदायक है। यह गाना मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है, और मैं राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की प्रतिभाओं के माध्यम से एक बार फिर इसके शाश्वत आकर्षण को देखने के लिए उत्साहित और उत्सुक हूं। ना ना ना ना रे मूल रूप से अमिताभ बच्चन की कमबैक फिल्म मृत्युदाता के लिए रिलीज हुई थी। यह गाना पीढ़ियों से सर्वोत्कृष्ट पसंदीदा है, और इसकी संक्रामक लय और ऊर्जा के लिए इसे पसंद किया जाता है, जो इसे संगीत समारोहों और संगीत समारोहों में प्रमुख बनाता है।

मैथियास बो और तापसी करने जा रहे हैं शादी

शाहरुख खान के साथ फिल्म डंकी में नजर आने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपनी फिल्मों के साथ-साथ लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। तापसी पन्नू काफी लंबे समय से बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो को डेट कर रही हैं। मैथियास बो और तापसी पन्नू की कई तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई हैं। इन तस्वीरों में मैथियास बो और तापसी पन्नू रोमांटिक अंदाज में दिखाई दिए। अब सब के बाद मैथियास बो और तापसी पन्नू की शादी को लेकर खबरे सामने आ रही हैं। मैथियास बो और तापसी पन्नू ने अब अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने के फैसला लिया है। कपल साल 2024 के इस महीने में शादी कर सकता है। डंकी हिट होने के बाद अब तापसी पन्नू की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तापसी पन्नू बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो को 10 साल डेट करने के बाद अब उनके साथ शादी करने वाली हैं। मैथियास बो और तापसी पन्नू साल 2024 के मार्च महीने में शादी कर सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कपल राजस्थान के उदयपुर में रॉयल अंदाज में शादी करने वाला है। शादी सिख और क्रिश्चियन रीति-रिवाज से होने वाली है। लेकिन आपको बता दें कि अभी तक मैथियास बो और तापसी पन्नू की शादी लेकर कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

प्रदेश में 2100 मेगावॉट के फ्लोटिंग सोलर प्लांट, एक प्लांट से अगले महीने 250 मेगावॉट बिजली

तेजी से हो रहा सौर ऊर्जा पर कार्य, प्रदेश के खंडवा में देश का सबसे बड़ा सोलर प्लांट, इंदिरा सागर, गांधी सागर और बीरसिंहपुर में भी फ्लोटिंग

भोपाल ■

प्रदेश में सौर ऊर्जा पर तेजी से काम हो रहा। प्रदेश के खंडवा में देश का सबसे बड़ा तैरता सोलर प्लांट लग रहा। इस प्लांट से अगले महीने से करीब 250 मेगावॉट बिजली का उत्पादन शुरू हो सकता है। यह प्लांट 600 मेगावॉट बिजली उत्पादन की क्षमता वाला है। सोलर से उत्पादन होने वाली इस बिजली से भोपाल जैसे बड़े शहर को रोजाना रोशन किया जा सकता है। इसके अलावा प्रदेश के बीरसिंहपुर जलाशय, इंदिरा सागर जलाशय और गांधी सागर जलाशय में भी फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं तैयार हो रही हैं। इनसे करीब 1500 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा। खंडवा जिले के ओंकारेश्वर बांध के 2 हजार हेक्टेयर जल क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा सोलर फ्लोटिंग सोलर प्लांट तैयार हो रहा है। जानकारी के मुताबिक यहां सोलर की करीब 2 लाख 2 हजार प्लेट्स लगाई गई हैं। यह पूरी परियोजना करीब 3 हजार करोड़ की है। ऊर्जा विभाग का दावा है कि सोलर से पैदा होने वाली बिजली कोयला और पानी से बनने वाली बिजली से सस्ती रहेगी। इससे आने वाले समय में बिजली सस्ती हो भी हो सकती है।

यह पूरा प्रोजेक्ट इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। पहले चरण में इस प्रोजेक्ट से 250 मेगावॉट बिजली का उत्पाद अगले महीने से शुरू हो जाएगा। गौरतलब है कि सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रदेश कई सोलर परियोजनाएं चल रही हैं। प्रदेश के बड़े शहरों को भी सोलर सिटी बनाए जाने का काम शुरू हो चुका है। राजधानी में भी एक साल में करीब 25 हजार सोलर पैनल लगाए जाने का लक्ष्य है। इससे शहर में 250 से 290 मेगावॉट बिजली का उत्पादन हो सकेगा।

रीवा के अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट से बन रही 750 मेगावॉट बिजली

रीवा जिले मे 750 मेगावॉट का सौर पार्क बनकर तैयार हो चुका है। इस सौर पार्क को साल 2018 में शुरू किया गया था। इस पार्क से 750 मेगावॉट बिजली का उत्पादन हो रहा है। यह सौर पार्क 1590 एकड़ में फैला हुआ है। सौर पार्क से मिलने वाली बिजली 2.97 प्रति यूनिट में पड़ रही है। यानी सोलर से सस्ती बिजली का उत्पादन हो रहा है। रीवा सौर पार्क से उत्पादित होने वाली बिजली में से 24 फीसदी बिजली दिल्ली मैट्रो को दी जा रही है। 76 फीसदी बिजली का उपयोग मप्र में हो रहा है।

1778 मेगावॉट सोलर पार्क

वर्तमान में रीवा में 750 मेगावॉट और मंदसौर के सोलर पार्क में 250 मेगावॉट बिजली का उत्पादन शुरू हो चुका है। इसके अलावा 1500 मेगावॉट के सोलर पार्क आगर मालवा, शाजापुर और नीमच में तैयार हो रहे हैं। वहीं 600 मेगावॉट का तैरता सौलर प्लांट खंडवा में इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगा।

दिल्ली में शाह, नड्डा के साथ टिकटों पर मंथन, सीएम, प्रदेश अध्यक्ष समेत आधा दर्जन नेता हुए शामिल

डेढ़ दर्जन सांसदों के टिकट कटना तय नए चेहरों पर दांव लगाएगी भाजपा

भोपाल ■

लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने मौजूदा 28 सांसदों में से 18 के टिकट काट सकती है। यह संकेत बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय संगठन द्वारा टिकट वितरण को लेकर बुलाई गई बैठक में मिले हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने टिकट बंटवारे को लेकर आठ राज्यों के नेताओं की राय जानी। बैठक में प्रदेश से मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा शामिल हुए। कल केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद पार्टी की पहली सूची आ सकती है।

सुबह साढ़े दस बजे से शुरू हुई बैठक में शीर्ष नेताओं ने प्रदेश चुनाव समिति द्वारा तैयार किए गए तीन-तीन नामों के पैनल लिए और उन पर चर्चा की। बैठक में पार्टी द्वारा लोकसभा चुनाव को लेकर कराए गए सर्वे की जानकारी भी संगठन नेताओं ने प्रदेश से आए नेताओं को दी। सूत्रों की मानें तो कल भाजपा संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक है। इस बैठक में तीन नामों में से एक नाम तय किया जाएगा। इसमें सर्वे के साथ कार्यकर्ताओं से की गई रायशुमारी को ध्यान में रखा जाएगा। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद जारी होने वाली पहली सूची में प्रदेश से पांच से छह सीटों का ऐलान हो सकता है।

अधिकांश सांसदों के टिकट पर खतरा

पिछले दो दिनों से प्रदेश कार्यालय और बुधवार को नई दिल्ली में टिकटों को लेकर हुए मंथन को लेकर जो खबरें छन छन कर सामने आ रही हैं उससे साफ है कि सात से आठ सांसदों को छोड़कर अन्य सांसदों के टिकट पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यहां पुराने चेहरों की जगह भाजपा नए चेहरों पर दांव खेलेगी। इनमें युवा चेहरे ज्यादा होंगे, इसके साथ ही महिलाओं की भी संख्या बढ़ सकती है। भोपाल से सांसद प्रज्ञा सिंह का टिकट बदला जाना तय माना जा रहा है। उनके स्थान पर पार्टी किसी युवा चेहरे को मौका दे सकती है। यहां रायशुमारी में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, सुमित पचौरी, आलोक शर्मा के नाम आए हैं। इसके अलावा रीवा से जर्नादन मिश्रा का भी टिकट खतरे में है। टीकमगढ़ से तीन बार और कुल मिलाकर सात बार सांसद रह चुके केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र खटीक का भी टिकट अनिश्चितता के भंवर में है। पार्टी ने इस बार तीन बार से ज्यादा सांसद रह चुके अधिकांश नेताओं के टिकट काटने का तय किया है। यदि यह नियम लागू हुआ तो धार के सांसद छतर सिंह दरबार का भी टिकट कटना तय है। बालाघाट से सांसद ढाल सिंह बिसेन की जगह पार्टी किसी नए चेहरे पर दांव लगा सकती है। यहां से युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार और मौसम बिसेन का नाम विचार में है। इसी तरह उज्जैन में अनिल फिरौजिया का टिकट भी पक्का नहीं है। यहां से पार्टी फिर किसी नए नेता को मौका दे सकती है। इसके अलावा जिन सांसदों के टिकट काटने पर विचार चल रहा है उनमें सागर से राजबहादुर सिंह, ग्वालियर से विवेक शेजवलकर, गुना से केपी यादव, रीवा से जर्नादन मिश्रा शामिल हैं। इसके अलावा सीधी, मुरैना, जबलपुर, होशंगाबाद के सांसद विधायक बन चुके हैं। यहां नए लोगों को टिकट मिलना तय है। वहीं सतना से गणेश सिंह और मंडला से फग्गन सिंह कुलस्ते विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में इन नेताओं के टिकट पर भी गहरा संकट है।

विधानसभा चुनाव हारे नेताओं को टिकट नहीं

संगठन नेताओं की मानें तो पार्टी के शीष नेतृत्व ने तय किया है कि विधानसभा चुनाव में जिन नेताओं को हार का सामना करना पड़ा था, उन्हें लोकसभा का टिकट नहीं दिया जाएगा। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव हारे कई नेता अब लोकसभा में टिकट की दावेदारी जता रहे हैं। इन नेताओं ने रायशुमारी के माध्यम से भी अपना नाम संगठन के पास भिजवाया है। सूत्रों की मानें तो आज की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने साफ कर दिया कि पार्टी के पास योग्य दावेदारों की लिस्ट लंबी है, हर कार्यकर्ता को उचित प्रतिनिधित्व देना है इसलिए विधानसभा चुनाव में जिन नेताओं को टिकट दिया गया था, उन्हें लोकसभा में मौका नहीं दिया जाएगा। अपवादस्वरूप एकाध नाम पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा अधिकांश उन सांसदों को भी आराम दिया जा रहा है जो पिछले तीन बार से लगातार सांसद हैं। इनकी जगह क्षेत्र के नए नेताओं को मौका दिया जाएगा। पार्टी की इस बार चुनाव जीतने में सक्षम युवाओं पर खास नजर है।

दोनों भवनों के रेनोवेशन के प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद फायनेंशियल बिड जारी

जल्द शुरू होगा सतपुड़ा और विंध्याचल भवन का रेनोवेशन, आचार संहिता बाधा नहीं बनेगी

भोपाल ■

पिछले साल 12 जून को सतपुड़ा भवन में भीषण आग लगने के आठ महीने बाद भी सतपुड़ा भवन की बिल्डिंग का रेनोवेशन का कार्य शुरू नहीं किया जा सका है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने दावा किया है कि राज्य के तीन प्रमुख प्रशासनिक भवनों में से दो सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के रेनोवेशन का काम जल्द शुरू किया जाएगा। इस काम में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता बाधा नहीं बनेगी।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों भवनों का रेनोवेशन 167 करोड़ की लागत से किया जाएगा। रेनोवेशन के प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी है। प्रोजेक्ट की फायनेंशियल बिड जारी कर दी गई है। रेनोवेशन का कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। इमारतों को तोड़ा नहीं जाएगा, बल्कि मजबूत किया जाएगा। भवन के फर्शों, सीलिंग के रेनोवेशन, अग्निशमन प्रणाली, बिजली फिटिंग, अन्य सौंदर्यीकरण कार्यों के अलावा भवन परिसर में पार्किंग जैसी पिछले साल 12 जून को सतपुड़ा भवन के पश्चिमी हिस्से में आग लग गई थी। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग तीसरी मंजिल से शुरू होकर छठी मंजिल तक पहुंच गई थी। आग पर काबू पाने के बाद सरकार तय नहीं कर पा रही थी कि भवन के जले हुए हिस्से का उपयोग किया जाए या नहीं। सरकार ने रीजनल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी, सूरत (गुजरात) को सतपुड़ा भवन के जले हुए हिस्से की दीवारों और छत की मजबूती की जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी। लैबारेटरी के विशेषज्ञों ने आधा दर्जन बार सतपुड़ा भवन की विजिट कर 200 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट मप्र सरकार को सौंपी थी। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि इमारत को ध्वस्त करने की कोई जरूरत नहीं है।

रिपोर्ट में ऐसे तरीके सुझाए गए, जिनके जरिए इमारत का रेनोवेशन कर इसकी संरचनात्मक क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि सतपुड़ा भवन की तीसरी, चौथी और पांचवीं मंजिल की दीवारें और सीलिंग को आग से तुलनात्मक रूप से कम नुकसान हुआ है, इसलिए इनके रेनोवेशन में ज्यादा मुश्किल नहीं होगी। आग से सबसे ज्यादा नुकसान छठी मंजिल और उसकी सीलिंग को हुआ है। छत में लगे लोहे के सरिये पिघलकर कमजोर हो गए हैं। सीमेंट-कांक्रीट को भी नुकसान पहुंचा है। इसलिए इन्हें विशेष तकनीक से उपचारित करने के बाद इसे उपयोग में लाया जा सकेगा।

किसानों को तत्काल फसल मुआवजा दे सरकार: जीतू पटवारी

भोपाल, रासं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि तेज आंधी के साथ बेमौसम बारिश और ओलों से प्रदेश में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। गेहूं, चना, मसूर और सरसों की फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम, खंडवा, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, बैतूल, छतरपुर और निवाड़ी जिलों में ओले गिरे हैं। कुछ जिलों में खेतों में कटी रखी फसल पानी में डूब गई, इससे दाने काले पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि सरकार को फसलों के नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए। मुख्यमंत्री कार्यालय से सर्वे की लगातार निगरानी भी की जाए, ताकि पूर्व में हुए सर्वे की तरह यह सर्वे भी महज औपचारिकता की भेंट नहीं चढ़ जाए।

कांग्रेस के पूर्व विधायक पार्टी के रणनीतिकारों पर हुए हमलावर

निर्णय नहीं ले पाना कांग्रेस की कमजोरी: लक्ष्मण सिंह

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई व कांग्रेस के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह ने पार्टी के रणनीतिकारों और उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि निर्णय नहीं ले पाना कांग्रेस की बड़ी कमजोरी है। उन्होंने देशभर में होने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) की कार्रवाई का समर्थन किया है। उन्होंने दावा किया कि जल्दी टिकट घोषित होने पर कांग्रेस मध्यप्रदेश में 29 में से दस सीटों पर आसानी से जीत हासिल कर सकती है। सिंह ने कांग्रेस नेताओं को घेरते हुए कहा कि हम भितरघात की वजह से हार रहे हैं। भितरघात होता है, क्योंकि हम कार्यकर्ताओं से बात नहीं करते हैं। उनसे पूछकर सामूहिकता से निर्णय लेने चाहिए। मैं पहले भी कह चुका हूं और आगे भी कहूंगा कि बंद कमरे के फैसले हमेशा गलत होते हैं। खुले मंच के फैसले हमेशा सही होते हैं। यह नहीं हो रहा है। इसी वजह से चुनावों में जो परिणाम आने चाहिए, वह नहीं आ रहे हैं। पार्टी सबकी है। पार्टी हमारी बपौती नहीं है। हम जो कुछ हैं, वह निष्ठावान कार्यकर्ताओं की वजह से हैं। पिछले चुनावों में हमने देखा कि किसी से पूछा नहीं, किसी की सुनी नहीं। एक नेता को टिकट दिया। वह पांच लाख से हारी और फिर भाजपा में चली गईं। इस तरह के फैसले हमें नुकसान देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास उम्मीदवार हैं। कांग्रेस को चाहिए कि जल्दी उम्मीदवारों की घोषणा करे। दूसरा यह नहीं होना चाहिए कि वह जीत जाएगा, तो मेरा क्या होगा। विधानसभा में यह चला था। भाजपा अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर पहले देती है। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 45 उम्मीदवारों के नाम पहले घोषित कर दिए थे। सामूहिकता से चुनाव लड़ा और 45 में से 36 सीटों पर जीत हासिल हुई।

स्कूल शिक्षा विभाग में वाहन में भ्रष्टाचार का लगाया आरोप, इनोवा के नाम पर दिया स्कॉर्पियो का किराया

बिजली गुल होने पर कांग्रेस नेताओं ने मोमबत्ती जलाकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस ने स्कूल शिक्षा विभाग में वाहन बिल के नाम पर घोटाला करने का आरोप लगाया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि तत्कालीन स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और उनके स्टाफ की ओर से इस्तेमाल किए गए छह वाहनों के बिल में फर्जीवाड़ा किया गया है। एक वाहन को 13 महीने में 8,62,236 रुपए का भुगतान हुआ है। राज्य शिक्षा केंद्र में इस गाड़ी का नाम मारुति सियाज बताया गया है, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 04 सीडब्ल्यू 9950 दर्ज है। परिवहन विभाग में यह वाहन हुंडई क्रेटा के नाम से रजिस्टर्ड है। मंत्री के नाम पर आवंटित एक अन्य वाहनों को 11 महीने में कुल 17,92, 133 रुपए का भुगतान किया गया है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा, मोर्चा-प्रकोष्ठों के प्रभारी जेपी धनोपिया और आरटीआई प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत टंडन ने यह आरोप संवाददाताओं से चर्चा में लगाए हैं। खास बात यह रही कि कांग्रेस नेता जब मीडिया से मुखातिब हो रहे थे, तब बिजली गुल हो गई। लिहाजा उन्होंने मोमबत्ती की रोशनी में अपनी बात रखी। टंडन ने कहा कि वाहनों की जानकारी राज्य शिक्षा केंद्र और परिवहन विभाग से सूचना के अधिकार के तहत हासिल की गई है। इसमें 6 वाहनों के नाम पर विसंगतियां मिली हैं। टंडन ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में वाहनों के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। हम सबूतों के साथ लोकायुक्त में शिकायत करेंगे। जरूरत पड़ी, तो न्यायालय भी जाएंगे। धनोपिया ने कहा कि एमपी में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सरकारी विभागों में गाड़ियां लगाकर लाखों के फर्जी भुगतान किए गए हैं। इसकी जांच होनी चाहिए।

केस एक: स्कूल शिक्षा मंत्री के स्टाफ को उपलब्ध कराए गए वाहन एमपी 04 जेडके 4477 को राज्य शिक्षा केंद्र ने अपने रिकॉर्ड में मारुति सियाज दर्ज किया है। परिवहन विभाग से आरटीआई में मांगी गई जानकारी में बताया गया कि यह वाहन परिवहन विभाग में रजिस्टर्ड ही नहीं है। इसके किराए के तौर पर एक जून 2023 से 30 जून 2023 तक 64,352 रुपए का भुगतान किया गया।

केस दो: एमपी 04 सीए 9529 नंबर का वाहन राज्य शिक्षा केंद्र में प्रशासन कक्ष को आवंटित है। इसके मालिक को 6 माह में 2,25,057 रुपए का भुगतान किया गया। इस वाहन को मारुति स्विफ्ट डिजायर बताया गया है, जबकि परिवहन विभाग में यह मारुति 800 नाम से दर्ज है।

केस तीन: एमपी 04 सीडब्ल्यू 9950 के बिल में मारुति सियाज दर्ज है। परिवहन विभाग में यह वाहन हुंडई कंपनी की क्रेटा कार बताया है। इस वाहन को 13 महीने में 8,62,236 रुपए बिल दिया गया है।

केस चार: स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम पर आवंटित इनोवा क्रिस्टा एमपी 04 बीसी 7755 को 11 महीने में कुल 17,92,133 रुपए का भुगतान किया गया। अनुबंध के अनुसार, इस गाड़ी के लिए 75,000 रुपए प्रतिमाह किराया और अतिरिक्त चलने पर 18.50 रुपए प्रति किमी की दर से भुगतान किया गया।

केस पांच: मंत्री के स्टाफ में अटैच यह गाड़ी एमपी 04 बीसी 7480 सरकारी रिकार्ड में इनोवा क्रिस्टा दर्ज है। इसकी भी परिवहन विभाग में पड़ताल की गई, तो यह स्कॉर्पियो निकली। इस वाहन का 1 अप्रैल 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक एक माह का किराया 1,80,628 रुपए चुकाया गया है।

केस छह: स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम पर आवंटित एक अन्य वाहन इनोवा क्रिस्टा एमपी 04 जेडएच 5566 को 2 महीने में 3,92,076 रुपए का भुगतान किया गया है। यह वाहन परिवहन विभाग में प्राइवेट कोटे पर दर्ज है।

चुनाव — लोकसभा चुनाव में मालवा-निमाड़ के हालात

मजबूत होकर भी आत्ममुग्ध नहीं भाजपा, करारी हार के सदमे में कांग्रेस

इंदौर ■

आगामी लोकसभा चुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है और सियासी दलों ने अपनी अपनी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। बात मालवा निमाड़ की करें तो यहां भाजपा मजबूत स्थिति में होने के बावजूद उसका अंदाज फीलगुड वाला नहीं है। आत्ममुग्धता से परे भाजपा मैदान में इस कदर सक्रिय है कि लंबे अंतर से और लगातार जीतने वाली सीट पर भी रायशुमारी में पीछे नहीं। उधर बात प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस की करें तो लग रहा है पार्टी अभी विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के सदमे से ही नहीं उभरी है। वरिष्ठ नेताओं की पाला छोड़ने जैसी कवायदों ने पार्टी के भीतर असमंजस का वातावरण पैदा कर दिया वहीं दूसरी और लोकसभा प्रत्याशियों का भी टोटा नजर आ रहा है। बहरहाल इस सूरते हाल में कांग्रेस पार्टी भाजपा के खिलाफ कैसे मजबूती के साथ खड़ी होगी यह देखने वाली बात होगी।

तीन सीटों पर हो सकता है रायशुमारी का असर: भाजपा द्वारा हर लोकसभा सीट पर करवाई जा रही रायशुमारी के बाद पार्टी कड़े फैसले ले सकती है ऐसा बताया जा रहा है। मालवा निमाड़ की सीटों पर हुई रायशुमारी में टिकट बदलने जैसी कोई राय संगठन को मिली हो ऐसा लग नहीं रहा। बहरहाल संगठन लोकसभा और विधानसभा चुनाव के नतीजों और स्थानीय नेताओं की राय पर अगर विचार करेगा तो रतलाम-झाबुआ, धार और खंडवा सीट को लेकर कुछ निर्णय हो सकता है। खंडवा उप चुनाव में जीत भले भाजपा की हुई मगर आम चुनाव के मुकाबले वोट प्रतिशत घट गया था। धार के मौजूदा सांसद छतरसिंह दरबार को उम्र के आधार पर टिकट से वंचित किया जा सकता है। रतलाम झाबुआ सीट से सांसद गुमानसिंह डामोर के कोर्ट में चल रहे पुराने केस आड़े आ सकते हैं।

सभी सीटों पर भाजपा का परचम: मालवा निमाड़ मतलब इंदौर उज्जैन संभाग में कुल आठ लोकसभा सीटें हैं। इन सभी सीटों पर भाजपा का परचम लहरा रहा है। इंदौर जैसी सीट तो भाजपा का अजेय गढ़ बन चुकी है। सीटों पर जीत के अंतर की बात करें तो रतलाम झाबुआ सीट भाजपा ने 90 से ज्यादा, रतलाम झाबुआ सीट पर करीब डेढ़ लाख वोट और खंडवा उप चुनाव में करीब 80 हजार वोट से जीत दर्ज की। शेष सभी पांच सीटों पर जीत का अंतर दो लाख से लेकर साढ़े पांच लाख तक है।

विधानसभा चुनाव में कमजोर हुई कांग्रेस: गौरतलब है कि सूबे में कुल 66 विधानसभा सीट आती है मगर लोकसभा चुनाव में 64 सीट ही गणना में आती है। क्योंकि आगर जिले की सुसनेर सीट राजगढ़ लोकसभा में और खातेगांव सीट विदिशा लोकसभा क्षेत्र में समाहित है। सूबे की लोकसभा सीटों के तहत आने वाली विधानसभा सीटों पर नजर डालें तो कांग्रेस 2018 के मुकाबले 2023 के चुनाव में ज्यादा कमजोर हुई है। बात 2018 के चुनाव की करें तो इसमें भाजपा के खाते में 33, कांग्रेस को 29 और 2 सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। हालांकि उप चुनाव के बाद सीटों में काफी अंतर भी आ गया था। 2023 के चुनाव में कांग्रेस अपने पुराने प्रदर्शन पर खरी नहीं उतर पाई। इस चुनाव में भाजपा को जबरदस्त तरीके से 47 सीटों पर जीत का परचम लहराने में सफल रही वहीं कांग्रेस महज 16 सीटों पर सिमट गई जबकि एक सीट रतलाम लोकसभा क्षेत्र की सैलानी सीट निर्दलीय के खाते में चली गई।

किस पर लगाए दांव, असमंजस में कांग्रेस: सूबे की आठ लोकसभा सीटों पर कांग्रेस में असमंजस छाया हुआ है कि आखिर किस पर दांव लगाए। क्योंकि कांग्रेस के पास भाजपा को टक्कर देने वाले नेता का फिलहाल टोटा नजर आ रहा है। इसमें इंदौर सीट पर तो पार्टी अपने सारे दिग्गजों को आजमा चुकी है मगर भाजपा को हिला नहीं पाई उल्टे हर बार हार का अंतर बढ़ता गया।

सूबे की लोकसभा सीटों पर एक नजर

देवास –
सांसद : महेंद्रसिंह सोलंकी
पराजित : प्रहलादसिंह टिपानिया
जीत का अंतर : 3,72,249

उज्जैन –
सांसद : अनिल फिरोजिया
पराजित : बाबूलाल मालवीय
जीत का अंतर : 3,65,637

धार –
सांसद : छतरसिंह दरबार
पराजित : दिनेश ग्रेवाल
जीत का अंतर : 1,56,029

मंदसौर –
सांसद : सुधीर गुप्ता
पराजित : मीनाक्षी नटराजन
जीत का अंतर : 3,76,734

इंदौर –
सांसद : शंकर लालवानी
पराजित : पंकज संघवी
जीत का अंतर : 5,47,754

खरगोन –
सांसद : गजेंद्रसिंह पटेल
पराजित : डॉ गोविंद मुजाल्दा
जीत का अंतर : 2,02,510

रतलाम झाबुआ –
सांसद : गुमानसिंह डामोर
पराजित : कांतिलाल भूरिया
जीत का अंतर : 90,636

खंडवा –
सांसद : स्व. नंदकुमार सिंह चौहान
ज्ञानेश्वर पाटिल (उपचुनाव)
पराजित : अरूण यादव, राजनारायण सिंह पूर्णी (उपचुनाव), जीत का अंतर : 2,73,343, 81,000 (उपचुनाव)

मोहम्मद सिराज-शुभमन गिल को इनाम, रिंकू सिंह को भी मिली जगह

बीसीसीआई के अनुबंध से अय्यर-किशन बाहर

● नई दिल्ली / एजेंसी

बीसीसीआई ने वार्षिक अनुबंध की सूची जारी कर दी है। सीजन 2023-24 के लिए जारी की गई इस लिस्ट में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन का नाम नहीं है। दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया था। इस कारण बोर्ड नाराज था। उसका असर अनुबंध सूची में देखने को मिला। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि अय्यर और ईशान को वार्षिक अनुबंध नहीं दिया गया है। उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह को ग्रेड-सी में जगह मिली है। ए प्लस ग्रेड में कप्तान रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा हैं।

बीसीसीआई ने इस साल 30 खिलाड़ियों को अनुबंध दिया है। यह एक अक्टूबर 2023 से 30 सितंबर 2024 तक के लिए है। बोर्ड ने इस बार एक नई परंपरा जारी की है। उसने तेज गेंदबाजी अनुबंध भी अलग से दिया है। इस लिस्ट में आकाश दीप, विजयकुमार वैश्यक, उमरान मलिक, यश दयाल और विद्वथ कावेरप्पा शामिल हैं। इसके अलावा जो खिलाड़ी निर्दिष्ट अवधि के भीतर न्यूनतम तीन टेस्ट या आठ वनडे या 10 टी20 खेलने के मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें स्वतःआनुपातिक आधार पर ग्रेड सी में शामिल किया जाएगा। उदाहरण के लिए, ध्रुव जुरेल और सरफराज खान, जिन्होंने अब तक दो टेस्ट मैच खेले हैं, अगर वे धर्मशाला टेस्ट मैच, यानी इंग्लैंड के खिलाफ चल रही श्रृंखला के पांचवें टेस्ट में भाग लेते हैं, तो उन्हें ग्रेड सी में शामिल किया जाएगा। चयन समिति ने आकाश दीप, विजयकुमार वैश्यक, उमरान मलिक, यश दयाल और विदवथ कावेरप्पा के लिए फास्ट बॉलिंग अनुबंध की भी सिफारिश की है। बीसीसीआई ने सिफारिश की है कि सभी एथलीट उस अवधि के दौरान घरेलू क्रिकेट में भाग लेने को प्राथमिकता दें जब वे राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हों।

ग्रेड ए प्लस : रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा।

ग्रेड ए : रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या।

ग्रेड बी: सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल।

ग्रेड सी : रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, केएस भरत, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान और रजत पाटीदार।

ग्रेड ए प्लस के खिलाड़ियों को सालाना मिलते हैं सात करोड़

ग्रेड ए प्लस में शामिल खिलाड़ियों को सालाना सात करोड़ रुपए मिलते हैं। ए ग्रेड में पांच और बी ग्रेड में तीन करोड़ रुपए मिलते हैं। सबसे निचले सी ग्रेड में शामिल किए गए खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपए दिए जाते हैं।

राहुल, गिल व सिराज को फायदा, अक्षर, ऋषभ को नुकसान

राहुल, शुभमन गिल और सिराज को ग्रेड ए में पदोन्नत किया गया है। जबकि सड़क दुर्घटना के कारण एक साल से ज्यादा समय से नहीं खेलने वाले ऋषभ पंत को ग्रेड बी में जगह मिली है। अक्षर पटेल पिछले सीजन में ग्रेड ए में थे। इस बार उन्हें ग्रेड बी में रखा गया। हार्दिक, अश्विन और सिराज को ग्रेड ए में बरकरार रखा गया है। रोहित, कोहली, बुमराह और जडेजा पहले भी ग्रेड ए प्लस में थे। अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा, उमेश यादव, शिखर धवन, दीपक हुड्डा और युजवेंद्र चहल भी लिस्ट में जगह नहीं बना पाए। कुलदीप यादव को सी से बी ग्रेड में पदोन्नत किया गया है। यशस्वी जायसवाल को पहली बार कॉन्ट्रैक्ट मिला है और वह सीधे बी ग्रेड में शामिल हुए हैं। सूर्यकुमार बी ग्रेड में इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जो पिछली बार भी इसी ग्रेड में थे।

सी ग्रेड में मप्र के पाटीदार

पिछली बार सी ग्रेड में 11 खिलाड़ियों को जगह मिली थी। इस बार संख्या बढ़ाकर 15 कर दी गई है। इसमें मध्यप्रदेश के रजत पाटीदार को भी जगह दी गई है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह और केएस भरत सी ग्रेड में अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं।

तीसरी बार पिता बने केन विलियमसन

पत्नी सारा ने बच्चे को दिया जन्म

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के स्टार केन विलियमसन पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी सारा ने तीसरे बच्चे को जन्म दिया है। दंपति के दो बच्चे एक साल का बेटा और तीन साल की बेटी पहले से ही हैं और अब उनके घर बेटी ने जन्म लिया है। विलियमसन ने अपनी पत्नी और बेटी के साथ एक इंस्टाग्राम फोटो पोस्ट की जिसका कैप्शन था और फिर 3, खूबसूरत लड़की का दुनिया में स्वागत है। आपके सुरक्षित आगमन और आगे की रोमांचक यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। विलियमसन पितृत्व अवकाश के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड की हालिया घरेलू टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल की दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान वह अच्छी फॉर्म में थे, जिससे ब्लैक कैप्स को प्रोटियाज के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट सीरीज में जीत मिली। उस दौरान विलियमसन ने अपना 30वां, 31वां और 32वां टेस्ट शतक बनाया। विलियमसन के शानदार टेस्ट करियर से पहले मार्टिन क्रो ने 77 मैचों में 17 शतकों के साथ एक न्यूजीलैंड द्वारा उस स्तर पर सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। विलियमसन ने 98 टेस्ट खेले हैं और अपने करियर के अंत तक उस संख्या को दोगुना करने की क्षमता रखते हैं। केन विलियमसन जल्द ही भारत में होंगे क्योंकि न्यूजीलैंड के स्टार आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटन्स का हिस्सा हैं। पूर्व चैंपियन के साथ विलियमसन का कार्यकाल 2023 में घुटने की चोट के कारण छोटा था।

धर्मशाला टेस्ट में खेलेंगे बुमराह

भारतीय टीम में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रांची में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से ब्रेक दिया गया था जिसमें भारत ने इंग्लैंड पर 5 विकेट से अविश्वसनीय जीत दर्ज की। रिपोर्ट्स के मुताबिक बुमराह सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच के लिए धर्मशाला में वापसी करेंगे, लेकिन टीम प्रबंधन अन्य खिलाड़ियों के कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए प्लेइंग 11 में कुछ बदलाव कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, रजत पाटीदार खराब प्रदर्शन के बावजूद प्लेइंग 11 में हो सकते हैं। वहीं केएल राहुल को इलाज के लिए लंदन भेजा गया है और उनके पांचवें टेस्ट में भी चूकने की संभावना है। ऐसे में देवदत्त पडिक्कल को अपनी पहली टेस्ट कैप मिल सकती है और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। हालांकि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि टीम प्रबंधन इन-फॉर्म बल्लेबाजों में से किसी को ब्रेक देगा या नहीं। एक गेंदबाज को ब्रेक भी मिल सकता है। धर्मशाला की सतह तेज गेंदबाजों के अनुकूल होने की उम्मीद है, इसलिए रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा या कुलदीप यादव में से किसी एक को ब्रेक दिया जा सकता है।

हेम्प, एडम्स होंगे बंग्लादेश के बल्लेबाजी और गेंदबाजी कोच

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने डेविड हेम्प और आंद्रे एडम्स को दो साल के अनुबंध पर क्रमशः बांग्लादेश का नया बल्लेबाजी और गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। वे अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज से अपने सेवा शुरु करेंगे। काउंटी क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी हेम्प ने बरमूडा के लिए 24 एकदिवसीय मैच खेले, पिछले वर्ष न्यूजीलैंड दौरे के दौरान टीम के बल्लेबाजी कोच थे। सीनियर टीम में इस पदोन्नति से पहले वह मई 2023 में उच्च प्रदर्शन वाले मुख्य कोच के रूप में बीसीबी में शामिल हुए थे। वह 2020 से 2022 तक पाकिस्तान महिला टीम के भी मुख्य कोच रहे थे। इस बीच एडम्स ने न्यूजीलैंड की पुरुष और महिला टीमों सहित कई टीमों के लिए गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2022-23 श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच भी थे।

मैंने जहीर खान को देखकर बहुत सीखा : एंडरसन

बुमराह और शमी को बताया विश्वस्तरीय गेंदबाज

नई दिल्ली । 41 वर्षीय जेम्स एंडरसन ने कहा कि उन्होंने भारत के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जहीर खान को देखकर बहुत सीखा है। उन्होंने साथ ही जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को वर्ल्ड क्लास बॉलर बताया। बता दें कि एंडरसन ने 2002 में इंटरनेशनल डेब्यू किया। उन्होंने 186 टेस्ट में 698 विकेट लिए हैं। वह सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं। वहीं, एंडरसन सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। एंडरसन ने कहा, बुमराह, शमी और सिराज के अलावा अनेक बेहतर गेंदबाज नहीं हैं।

वे वर्ल्ड क्लास बॉलर हैं। आप इशांत शर्मा को भी इस फेहरिस्त में रखें और यह वाकई मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है। मेरे लिए जहीर खान एक ऐसे गेंदबाज थे जिन्हें मैं बहुत देखा करता था और सीखने की कोशिश करता था। उन्होंने कैसे रिवर्स स्विंग का इस्तेमाल किया, जब वह बॉलिंग के लिए दौड़े तो उन्होंने गेंद को कैसे कवर किया, यह कुछ ऐसा है जो मैंने भारत में उनके खिलाफ कई बार खेलते हुए डेवलप करने की कोशिश की। एंडरसन ने कहा, हाल के दिनों में सफेद गेंद वाले क्रिकेट के बढ़ने के कारण फोकस गति में बदलाव और यॉर्कर जैसी विभिन्न गेंदों और इस तरह की चीजों पर केंद्रित हो गया है। लेकिन मेरे नजरिए से मौजूदा टेस्ट सीरीज में हमने देखा है कि स्विंग एक बड़ी भूमिका निभा सकती है। मुझे लगता है कि जिस तरह से बुमराह ने गेंदबाजी की, वो देखना अद्भुत था। दूसरे टेस्ट में वह रिवर्स स्विंग स्पेल आपके द्वारा देखे गए बेस्ट में से एक था। मुझे लगता है कि अभी भी लोग हैं जो यह स्किल सीखना चाहते हैं और यह करना आसान नहीं है।

किरण नवगिरे की तूफानी पारी से यूपी वारियर्स विजयी

मुंबई इंडियंस को सात विकेट से मिली टूर्नामेंट की पहली हार

नई दल्ली । महिला प्रीमियर लीग 2024 में मुंबई इंडियंस महिला को पहली हार मिली है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में यूपी वारियर्स की किरण नवगिरे ने तेजतर्रार अर्धशतक लगाकर मुंबई को सात विकेट से हरा दिया। मुंबई ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 161 रन बनाए थे। हेले मैथ्यूज ने 47 गेंदों पर 55 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी यूपी को एलिसा हेली और किरण ने तेजतर्रार शुरूआत दी। इसके बाद ग्रेस हैरिस और दीप्ति शर्मा ने ताबड़तोड़ पारियां खेलकर टीम को जीत दिला दी। यूपी टीम को ओपनर एलिसा हेली और किरण ने तेजतर्रार शुरूआत दी। किरण ने 31 गेंदों पर 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 57 रन बनाए और स्कोर 94 तक पहुंचा दिया। इसी तरह कप्तान एलिसा ने 29 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 33 रन बनाए। ताहिला मैकग्रा 1 ही रन बना पाई। इसके बाद ग्रेस हैरिस और दीप्ति शर्मा ने स्कोर आगे बढ़ाया और अपनी टीम को जीत दिला दी। ग्रेस हैरिस ने 17 गेंदों पर 6 चौके और एक छक्के की मदद से 38 रन बनाए। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने 20 गेंदों पर 27 रन बनाए और 16.3 ओवर में टीम को जीत दिला दी।

मैथ्यूज का अर्धशतक बेकार

मुंबई की शुरूआत शानदार रही थी। हेले मैथ्यूज ने यस्तिका भाटिया के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। मुंबई को सबसे बड़ा सहयोग हेले मैथ्यूज से मिला जिन्होंने 47 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाए। यस्तिका भाटिया ने 22 गेंदों 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 26 रन बनाए जबकि कप्तान नेट सीवर ब्रंट ने 14 गेंदों पर 19 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 घोषित

स्मिथ करेंगे ख्वाजा के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत

वेलिंगटन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर उस्मान ख्वाजा के साथ उतरेंगे। पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू ग्रीष्मकालीन ओपनर तक लगातार छठे टेस्ट के लिए लाइनअप में एक ही गेंदबाजी इकाई है। इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास के बाद से स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना गया है और उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे हालिया टेस्ट श्रृंखला के दौरान मिश्रित प्रदर्शन किया है। तीन मौकों पर प्रदर्शन में असफल रहने के बाद स्मिथ ने ब्रिस्बेन में कैरेबियाई टीम के खिलाफ दूसरी पारी में नाबाद 91 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की कि टीम की सबसे हालिया आउटिंग के रूप में उसी शुरुआती प्लेइंग 11 को बरकरार रखने का सीधा फैसला था, गाबा में वेस्ट डीज से मिली करारी हार देखते हुए कि टूरिंग पार्टी के सभी सदस्य फिट और उपलब्ध हैं। कमिंस ने कहा, हमने अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए गाबा जैसी ही एकादश है।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11

स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, एलेक्स कैरी विकेटकीपर, पैट कमिंस कप्तान, मिच स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

आरएनटीयू की फेंसिंग इपी टीम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जीता सिल्वर

बाक्सर जिज्ञासा राजपूत पहुंची फाइनल में

भोपाल । आसाम में आयोजित हो रहे चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय आरएनटीयू की फेंसिंग टीम ईपी शंकर पांडे, भव्य सिंह, मोहित श्रीवास एवं सौरभ मिश्रा ने सिल्वर मेडल जीता। फाइनल में ईपी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया एवं संघर्षपूर्ण मुकाबले में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर से 45-38 अंकों से पराजित हुई। टीम ने क्वार्टरफाइनल में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ को 45-23 एवं सेमीफइनल में भारतीय विधापीठ पुणे को 45-25 से पराजित किया। खिलाड़ियों ने सिल्वर मेडल जीतकर विश्वविद्यालय सहित प्रदेश का नाम रोशन किया है। टीम के कोच प्रवीण दांबले और मैनेजर मनोज सिंह मनराल की अगुवाई में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 गुवाहाटी आसाम में जिज्ञासा राजपूत ने -75 किग्रा में नेहा शर्मा यूआरजे विश्वविद्यालय को 5-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला आज खेला जायेगा। खिलाड़ियों की इस सफलता पर आरएनटीयू के कुलाधिपति संतोष चौबे, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रो. रजनीकांत, कुलसचिव डॉ. विजय सिंह और जिला खेल अधिकारी रायसेन जलज चतुर्वेदी ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

अर्जुन ने 10 मीटर में जीता खिताब, आशी चौकसी ने 50 मीटर में तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

भोपाल। राष्ट्रीय चयन ट्रायल में बुधवार को पेरिस ओलंपिक कोटाधारी अर्जुन बबूता ने लगातार दूसरा खिताब जीता और एशियाई खेलों में तीन पदक जीतने वाली आशी चौकसी ने जीत के दौरान विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। आशी चौकसे ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर को बेहतर बनाया। राइफल शूटर ने चौथे ट्रायल के लिए क्वालीफिकेशन राउंड में 597 (42गुणा) के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। जो नॉर्वे के जेनी स्टेन और अमेरिका की सेगेन मैडालेना द्वारा संयुक्त रूप से रखे गए वर्तमान विश्व रिकॉर्ड से एक अंक अधिक है। चौकसे ने बाद में 461.8 अंकों के साथ फाइनल में जगह बनाई। विदरसा विनोद 457.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं जबकि हिमानी पूनिया 446.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। चौकसे ने एशियाई खेल 2023 में इसी श्रेणी में कांस्य पदक और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में, अर्जुन बाबूता ने 252.5 की शूटिंग के बाद चौथा ट्रायल जीता। श्री कार्तिक सबरी राज 252.2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि राजस्थान के यश वर्धन 230.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

मैनचेस्टर सिटी ने ल्यूटन टाउन को 6-2 से रौंदा

नई दिल्ली। स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के दमदार प्रदर्शन के दम पर मैनचेस्टर सिटी ने एफए कप फुटबॉल के मुकाबले में ल्यूटन टाउन को 6-2 से करारी शिकस्त दी। इस जीत में हालैंड चमके जिन्होंने पांच गोल किए। उनके चार गोल करने में केविन डि ब्रुईन ने मदद की। हालैंड ने दूसरी बार क्लब के लिए एक मैच में पांच गोल दागे हैं। हालैंड पैर में चोट की वजह से दिसंबर से जनवरी तक खेल से दूर थे और अब इस मैच के जरिए वह पूरी तरह से स्वस्थ दिखाई दिए।

महासंघ में गुटबाजी नहीं : हॉकी इंडिया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह ने बुधवार को महासंघ में गुटबाजी और मतभेद के आरोप खारिज करते हुए कहा कि हम हॉकी की बेहतरी के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि हॉकी इंडिया भारतीय हॉकी के विकास के लिए गठित स्वायत्त और पेशेवर ईकाई है।

हमारा लक्ष्य हॉकी तथा अपने खिलाड़ियों की बेहतरी और प्रगति है। हमारी राष्ट्रीय टीमों को वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए हर तरह का सहयोग दिया जाता है। महासंघ ने हर खिलाड़ी और टीम के साथ समानता का रुख रखा है। सभी को समान सुविधायें और लाभ दिए गए, जिसमें नकद पुरस्कार और सम्मान शामिल है। हम जमीनी स्तर से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भी समानता में विश्वास रखते हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले हॉकी इंडिया की सीईओ एलेना नॉर्मन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वे 13 साल तक भारतीय हॉकी से जुड़ी रहीं।

टेस्ट रैंकिंग — जुरेल ने लगाई लंबी छलांग, गिल को फायदा, रोहित और कोहली को नुकसान

यशस्वी टेस्ट की सर्वोच्च रैंकिंग पर पहुंचे

● नई दिल्ली / एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल आईसीसी ने बुधवार को टेस्ट प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। यशस्वी जायसवाल करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारत के युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने बल्लेबाजों की सूची में लंबी छलांग लगाई है। जुरेल इंडिया वर्सेस इंग्लैंड रांची टेस्ट के बाद 31 पायदान ऊपर 69वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 461 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने रांची में खेले गए चौथे टेस्ट में कमाल की बल्लेबाजी की थी। जुरेल ने पहली पारी में मुश्किल हालात में 90 और दूसरी पारी में नाबाद 39 रन बनाए। उन्होंने शुभमन गिल के साथ 72 रन की अटूट साझेदरी कर भारत को पांच विकेट से जीत दिलाई थी। जुरेल प्लेयर ऑफद मैच चुने गए। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और गिल को भी फायदा हुआ है। यशस्वी तीन स्थान ऊपर यानी 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर बेस्ट टेस्ट रैंकिंग हैं। उनके फिलहाल 721 रेटिंग अंक हैं। यशस्वी ने आखिरी मैच में 73 और 37 रन का योगदान दिया। वन डाउन उतरे गिल ने रांची में 38 रन के अलावा नाबाद 52 रन की बेहद अहम पारी खेली थी और वह चार पायदान चढ़कर 31वें पर चले गए हैं। उनके 616 अंक हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा 720 अंक को एक स्थान और विराट कोहली 744 अंक को दो स्थान का नुकसान झेलना पड़ा है।

गेंदबाजों में बुमराह शीर्ष पर

रूट ने चौथे टेस्ट में शतक ठोका था, जिससे उन्हें दो स्थान का लाभ मिला। वहीं, रूट टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर चौथे पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में रविंद्र जडेजा शीर्ष पर हैं। गेंदबाजों की रैकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर कायम हैं। बुमराह को रांची में आराम दिया गया था। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव चार विकेट लेने के बाद 10 पायदान चढ़कर 32वें पर आ गए हैं। यह उनके करियर की नई सर्वोच्च रैंकिंग है। गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच सात मार्च से धर्मशाला के मैदान पर खेला जाएगा।

टी20 में आदिल नंबर वन पर

वहीं टी-20 गेंदबाजी रैकिंग में हेजलवुड छह स्थान चढ़ते हुए नंबर सात पर पहुंच गए हैं। वह शीर्ष 10 में एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। आदिल रशीद टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। उनके बाद श्रीलंकाई स्पिन जोड़ी वनिंदु हसरंगा और महीश थीक्षणा का नंबर आता है। ट्रैविस हेड 18 अंकों की उछाल के साथ 19वें स्थान पर हैं, वहीं 10 गेंदों में 31 रन की पारी खेल आखिरी गेंद पर ऑस्ट्रेलिया को मैच जिताने वाले टिम डेविड 22वें स्थान पर पहुंच गए है। टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव शीर्ष पर, फिल साल्ट दूसरे और मोहम्मद रिजवान तीसरे स्थान पर हैं।

मदर्स अगेंस्ट वेपिंग

ने डब्ल्यूएचओ की चेतावनी पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली (आईएएनएस)। मदर्स अगेंस्ट वेपिंग सक्रिय और चिंतित माताओं का एक संयुक्त मोर्चा है जो युवाओं के बीच बढ़ते वेपिंग से निपटने के लिए काम करता है। उसने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के बीच ई-सिगरेट और वेप्स जैसे नए युग के गेटवे उपकरणों के उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से विश्व स्वास्थ्य संगठन के आह्वान पर तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। वेपिंग के बढ़ते ट्रेंड के खिलाफ डब्ल्यूएचओ की चेतावनी ई-सिगरेट और अन्य नए युग के गेटवे उत्पादों के वायरल प्रसार को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक तात्कालिकता पर जोर देती है। मदर्स अगेंस्ट वेपिंग ने दोहराया है कि धूम्रपान बंद करने में ई-सिगरेट के प्रभाव का समर्थन करने के लिए अपर्याप्त सबूत हैं और ये उपकरण बच्चों तथा युवाओं के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं।

दिसम्बर 2023 में डब्ल्यूएचओ ने इस बात पर जोर दिया कि तंबाकू की लत छुड़ाने में ई-सिगरेट का प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा है। उभरते सबूत इन नए युग के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़ी प्रतिकूल जनसंख्या स्वास्थ्य प्रभावों की ओर इशारा करते हैं। नोएडा के फोर्टिस हेल्थकेयर में पल्मोनोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर के अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा, डब्ल्यूएचओ का यह कहना सही है कि ई-सिगरेट धूम्रपान बंद करने में प्रभावी नहीं है। वैज्ञानिक रूप से यह दावा करना कि ई-सिगरेट निकोटीन की लत को खत्म कर सकती है, सटीक नहीं है, क्योंकि इन उपकरणों में निकोटीन होता है। इसके अलावा, ई-सिगरेट के उपयोग से निकोटीन और अन्य हानिकारक रसायनों की उच्च खुराक मिलने का खतरा होता है, जिससे संभावित रूप से उपयोगकर्ताओं को अधिक नुकसान होता है। इसलिए, विशेष रूप से युवाओं के बीच, इसके उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी उपायों की तत्काल आवश्यकता है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में धुआं रहित तंबाकू का उपयोग व्यापकत संख्या में हो रहा है, जो वैश्विक धुआं रहित तंबाकू यूजरों की आबादी का 77 प्रतिशत है। चिंताजनक बात यह है कि 13-15 वर्ष की आयु वर्ग में लगभग 1.1 करोड़ किशोर इसका उपयोग कर रहे हैं, जो वैश्विक आँकड़े का लगभग 30 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में विशेष रूप से युवा लोगों के बीच ई-सिगरेट और अन्य नए जमाने के उत्पादों के उपयोग में वृद्धि देखी जा रही है।

धुआं रहित तंबाकू यूजरों की आबादी का 77 प्रतिशत है। चिंताजनक बात यह है कि 13-15 वर्ष की आयु वर्ग में लगभग 1.1 करोड़ किशोर इसका उपयोग कर रहे हैं, जो वैश्विक आँकड़े का लगभग 30 प्रतिशत है।

हैप्पिनेस स्टूडियो की संस्थापक और क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी ने कहा, युवाओं के बीच ई-सिगरेट के उपयोग में वृद्धि आश्चर्यजनक नहीं है, यह दोस्तों के दबाव और निर्माताओं द्वारा आक्रामक विज्ञापन सहित कई कारकों से प्रभावित है। वेपिंग या ई-सिगरेट से होने वाले स्पष्ट शारीरिक नुकसान के अलावा, मूड और चिंता विकार, आत्मघाती विचार और अवसादग्रस्त लक्षणों जैसे गंभीर मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव एक गंभीर चिंता है। मदर्स अगेंस्ट वेपिंग ने फरवरी 2023 में प्रस्तुत अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण की ओर ध्यान आकर्षित किया है। सर्वेक्षण के निष्कर्षों से वेपिंग निकोटीन और टीएचसी (टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल), मारिजुआना में मनोवैज्ञानिक घटक और खुद रिपोर्ट किए गए लक्षणों के बीच एक चिंताजनक संबंध का पता चला है।

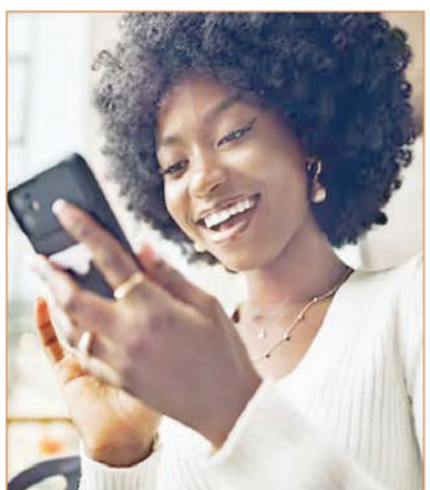

अफ्रीकी देश
डिजिटल विकास के लिए चीन पर निर्भर

बोलोगना (इटली) (द कन्वरसेशन)। अफ्रीकी देशों में लोगों के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों के कई संभावित लाभ हैं। वे इनकी मदद से अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर कर सकते हैं, शिक्षा को बढ़ावा दे सकते हैं और वित्तीय समावेशन को बढ़ा सकते हैं। लेकिन इन लाभों को साकार करने में बाधाएं हैं। समुदायों को जोड़ने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा जगह-जगह गायब है। प्रौद्योगिकी और वित्त की भी कमी है।

2023 में, उप-सहारा अफ्रीका की केवल 83 फीसद आबादी कम से कम 3जी मोबाइल नेटवर्क द्वारा कवर की गई थी। अन्य सभी क्षेत्रों में कवरेज 95 फीसद से अधिक थी। उसी वर्ष, अफ्रीका की आधी से भी कम आबादी के पास सक्रिय मोबाइल ब्रॉडबैंड सदस्यता थी, जो अरब देशों (75 फीसद) और एशिया-प्रशांत क्षेत्र (88 फीसद) से कम थी इसलिए, 2023 में वैश्विक स्तर पर ऑफ़लाइन रहने वाले अनुमानित 2.6 अरब लोगों में अफ्रीकियों की बड़ी हिस्सेदारी थी। इस बाधा को दूर करने में चीन अफ्रीका का एक प्रमुख भागीदार है। कई अफ्रीकी देश अपने मुख्य प्रौद्योगिकी प्रदाता और बड़ी डिजिटल बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के प्रायोजक के रूप में चीन पर निर्भर हैं। यह संबंध मेरे द्वारा हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन का विषय है। अध्ययन से पता चला कि कम से कम 38 देशों ने अपने घरेलू फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क और डेटा सेंटर के बुनियादी ढांचे या उनके तकनीकी ज्ञान को विकसित करने के लिए चीनी कंपनियों के साथ मिलकर काम किया। चीन की भागीदारी महत्वपूर्ण थी क्योंकि अफ्रीकी देशों ने डिजिटल विकास में काफी प्रगति की है। अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों के बीच लगातार डिजिटल विभाजन के बावजूद, 2010 और 2023 के बीच 3जी नेटवर्क कवरेज 22 फीसद से बढ़कर 83 फीसद हो गया। सक्रिय मोबाइल ब्रॉडबैंड सदस्यता 2010 में 2S से कम से बढ़कर 2023 में 48 फीसद हो गई। हालांकि, सरकारों के लिए यह जोखिम है कि विदेश-संचालित डिजिटल विकास मौजूदा निर्भरता संरचनाओं को यथावत बनाए रखेगा।

- **समुदायों को जोड़ने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा गायब**
- **प्रौद्योगिकी और वित्त की भी है भारी कमी**

विदेशी प्रौद्योगिकी और वित्त पर निर्भरता के कारण सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) बुनियादी ढांचे का वैश्विक बाजार मुट्ठी भर उत्पादकों द्वारा नियंत्रित है। उदाहरण के लिए, फाइबर-ऑप्टिक केबल, एक नेटवर्क घटक जो हाई-स्पीड इंटरनेट को सक्षम बनाता है, के मुख्य आपूर्तिकर्ता चीन स्थित हुआवेई और जेडटीई और स्वीडिश कंपनी एरिक्सन हैं। सीमित आंतरिक राजस्व वाले कई अफ्रीकी देश इन नेटवर्क घटकों का खर्च वहन नहीं कर सकते। बुनियादी ढांचा निवेश विदेशी वित्त पर निर्भर करता है, जिसमें रियायती ऋण, वाणिज्यिक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी शामिल है। ये राज्य की बुनियादी ढांचा प्रदाता की पसंद को भी प्रभावित कर सकते हैं। अफ्रीकी महाद्वीप का भूभाग तकनीकी और वित्तीय कठिनाइयों को बढ़ाता है।

भोजपुरी होली गीत 'महाबीर बो' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। गायक लाडो मद्धेशिया और अभिनेत्री अंजली पांडेय का नया होलीगीत 'महाबीर बो' रिलीज हो गया है।वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत महाबीर बो को लाडो मद्धेशिया ने गाया है। गाने को यादव नीरज ने लिखा है। संगीत पवन यादव ने दिया है। निर्माण निर्माता रत्नाकर कुमार ने किया है। वही इसके निर्देशक सुनील बाबा, गुरु जी अमित ओझा, डीओपी गौरव राय एवं रंजन, कंपोजर राहुल यादव, एडिटर अलोक गुप्ता, कोरियोग्राफर गोल्डी है।

ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज, मेंटर डिसिपल एंटरटेनमेंट ने मिलाया हाथ

मुंबई (आईएएनएस)। ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज और मेंटर डिसिपल एंटरटेनमेंट ने नवीनता तथा वैश्विक प्रभाव के साथ भारतीय सिनेमा और कहानी कहने के तौर-तरीकों को नया रूप देने के लिए हाथ मिलाया है। इस साझेदारी का नेतृत्व फिल्म निर्माता शशांक खेतान कर रहे हैं, जो 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया', 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' और 'धड़क' जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं और एक बेहतरीन प्रोड्यूसर भी हैं। यह साझेदारी निपुण निदेशकों के नेतृत्व में विभिन्न माध्यमों में बड़े पैमाने पर बहु-सामग्री प्रोजेक्ट्स के लिए एक मिसाल कायम करती है। एक निर्माता के रूप में शशांक के पास 'गुड न्यूज़', 'गोविंदा नाम मेरा' और उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित रिलीज़ 'योद्धा' जैसी फ़िल्में हैं, जो धर्मा प्रोडक्शंस के सहयोग से बनाई जा रही है।

'तेरा क्या होगा लवली' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

***मुंबई (वार्ता)।** फिल्म 'तेरा क्या होगा लवली' का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है।फिल्म में करण कुंद्रा, रणदीप हुड्डा और इलियाना डिक्रूज की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म में रणदीप हुड्डा पुलिस ऑफिसर के रोल में हैं।बलविंदर सिंह जंजुआ के निर्देशन में बनी फिल्म 'तेरा क्या होगा लवली'08 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।*

बड़े मियां छोटे मियां का गाना
'मस्त मलंग झूम' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का नया गाना 'मस्त मलंग झूम' रिलीज हो गया है। फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की मुख्य भूमिका है। फिल्म के टाइटल ट्रैक के बाद अब इसका दूसरा गाना मस्त मलंग झूम रिलीज कर दिया गया है,जो एक पेपी सॉन्ग है। इस गाने में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ सोनाक्षी सिन्हा नजर आ रही है। मस्त मलंग झूम को अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और निकिता गांधी ने गाया है। वहीं, गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं, जबकि विशाल मिश्रा ने मस्त मलंग झूम को कंपोज किया है। बड़े मियां छोटे मियां को वासु भगनानी और जैकी भगनानी के प्रोडक्शन हाउस पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है।

तापसी मार्च में
अपने बॉयफ्रेंड मथियास बो से शादी करेंगी

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री तापसी पन्नू को लेकर खबर है कि वो अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मथियास बो के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। बीते दिनों अभिनेत्री शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में भी नजर आई थीं। दोनों प्रेमी युगल की शादी सिख और ईसाई रीति-रिवाज से होने की खबरें हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेत्री मार्च में उदयपुर में एक भव्य समारोह में शादी के बंधन में बंधेंगी। दरअसल, मथियास ने पिछले साल तापसी के जन्मदिन पर उनकी पार्टी में भी हिस्सा लिया था। तापसी और मथियास पिछले एक दशक से अधिक समय से डेटिंग कर रहे हैं। डेनमार्क के रहने वाले मथियास बैडमिंटन खिलाड़ी से कोच बने हैं। उन्होंने 1998 में इंटरनेशनल डेब्यू किया। वह युगल में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बने और वर्तमान में युगल में भारतीय टीम के कोच हैं।

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे, दीपिका पादुकोण की तीन चीजें चुराना चाहती हैं।अनन्या पांडे ने दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म 'गहराईयां' में काम किया है। इस फिल्म में दोनों की एक्टिंग लोगों का काफी पसंद आई थी। अनन्या पांडे से पूछा गया कि आप दीपिका पादुकोण की क्या चीजें चुराना चाहेंगी?तो उन्होंने तीन चीजों के नाम बताए। अनन्या पांडे ने बताया, दीपिका के यहां बहुत अच्छी क्रॉकरी है, और उनके घर का साउथ इंडियन खाना बहुत अच्छा होता है। मैं दीपिका कीबॉडी, दूसरा उनका खाना और तीसरा उनका घर चुराना चाहती हूं।

दीपिका पादुकोण की तीन चीजें चुराना चाहती है
अनन्या पांडे

रूपाली गांगुली
ने किशोर, आशा के सदाबहार गाने पर किया लिप-सिंक

मुंबई (आईएएनएस)। 'अनुपमा' फेम एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह आशा भोंसले और किशोर कुमार के मशहूर गाने 'कह दूं तुम्हें' गाती नजर आ रही है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 29 लाख फॉलोअर्स हैं। वीडियो में उन्हें अपनी बालकनी में सफेद और नीले रंग की ड्रेस पहने हुए 'कह दूं तुम्हें' पर लिप-सिंक करते हुए देखा जा सकता है। रूपाली गांगुली ने इसमें कम से कम मेकअप किया हुआ है। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है। एक्ट्रेस हाथों में फूल लिए सदाबहार गीत का आनंद ले रही है। 'कहदूं तुम्हें' यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित 1975 के एक्शन क्राइम ड्रामा 'दीवार' का गाना है।

'ना ना ना ना रे' में राजकुमार राव, तृप्ति डिमरी नजर आएंगे

मुंबई (आईएएनएस)। पंजाबी गायक दलेर मेहंदी के फेमस गीत 'ना ना ना ना रे' को रीबूट किया जा रहा है। इसमें उनके साथ बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी नजर आएंगी, जो 'एनिमल' की सफलता के साथ बुलंदियां छू रही हैं। यह गाना उत्तर भारत में शूट होने वाली एक आगामी फिल्म का हिस्सा होगा। गाने का म्यूजिक वीडियो ऋषिकेश की नैसर्गिक छटाओं के बीच सेट किया जाएगा। यह गाना, जो मूल रूप से दलेर मेहंदी और समीर अंजान ने लिखा था, सचिन जिगर द्वारा फिर से बनाया गया है। गाने के बारे में दलेर मेहंदी ने एक बयान में कहा, ना ना ना ना रे' को इतने उत्साह के साथ दोबारा इस्तेमाल होते देखना वाकई संतुष्टिदायक है।

विद्युत विभाग ने बकायेदार उपभोक्ताओं के खिलाफ तेज किया अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विद्युत विभाग अब राजस्व माह को देखते हुए सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। वही सहायक अभियंता सुधीर कुमार ने बताया कि राजस्व माह को देखते हुए बकायेदार उपभोक्ताओं के परिसर पर पहुंचकर लगातार कार्यवाही करते हुवे बकाया पर केबिल पोल से डिस्कनेक्ट किया जा रहा है एवं इन उपभोक्ताओं को अंतिम चेतावनी दी गई है की तत्काल बकाया बिल जमा करके ही लाइट पोल से जुड़वाए वही विजिलेंस टीम को भी निर्देशित कर दिया गया है। ऐसे उपभोक्ताओं पर निगरानी रखी जाय अगर जो भी बिना बकाया भुगतान किए लाइन पोल से जुड़वाता है तो तत्काल इन लोगो के खिलाफ विद्युत चोरी में मुकदमा पंजीकृत करके कठोर कार्यवाही की जाय। वही शहर में स्मार्ट मीटर लगने है जिसमे बकाया बिल का भुगतान होना अति आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है

जिनमे विद्युत उपभोक्ताओं से अपील है कि जितने घरेलू,कमर्शियल, वाणिज्य, औद्योगिक उपभोक्ताओं का बकाया है वे लोग तत्काल अपने नजदीकी कैस काउंटर पर जाकर बिल जमा करके बकाया शून्य करा ले एवं विद्युत विच्छेदन एवं प्राथमिकी से बचे।वही मार्च राजस्व का महीना है जिसमे विभाग को राजस्व अधिक से अधिक वसूली करने का शासन द्वारा लक्ष्य दिया गया है जो समय से पूरा करना बहुत जरूरी है। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए तैयारी भी तेज कर दी गई है, अगर बात किया जाय ओभर लोड ट्रांसफार्मर सहित उपकरण की तो विद्युत वितरण मंडल गाजीपुर के अधीन चारो डीविजनों के अंतर्गत सभी 62 उपकेंद्रों से निर्गत समस्त फीडर की समीक्षा करके शासन स्तर पर ट्रांसफार्मर सहित समस्त उपकरण की सूची भेजी गई है जैसे ही प्रपोजल आता है तो जल्द ही युद्ध स्तर पर कार्य कराकर उपभोक्ताओं को सही से बिजली समय पर बिजली दिलवाने के लिए बिजली विभाग कटिबद्ध है।

सेक्स रैकेट संचालक समेत तीन को मिली जमानत

वाराणसी। सेक्स रैकेट संचालक समेत तीन आरोपितों को कोर्ट से राहत मिल गई` प्रभारी जिला जज अनिल कुमार पंचम की अदालत ने लाइन बाजार, जौनपुर निवासी संचालक कवलजीत सिंह (सरदार), भुल्लनपुर, मंडुआडीह निवासी सागर सेठ व उसके पिता प्रकाश सेठ को 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, कृष्णा यादव ईलू व रोहित यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार लंका थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि लंका थाना क्षेत्र में स्थित एक गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट चल रहा है सूचना पर थाना प्रभारी ने एसीपी भेलूपुर को घटना की जानकारी देकर उक्त गेस्ट हाउस पर छापेमारी की गई` छापेमारी के दौरान गेस्ट हाउस के एक कमरे की तलाशी ली गई तो उसमें एक महिला व पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले वहीं दो अन्य कमरों की तलाशी लेने पर चार अन्य लड़कियां बरामद हुई तलाशी में उनके पास से मोबाइल फोन, नशीली दवाएं, गर्भनिरोधक समेत शक्तिवर्धक दवाएं बरामद हुई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि कावलजीत सिंह उन्हे बाहर से बुलाकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित होटल में भेजते हैं और ग्राहक से मिलने वाली धनराशि में से कमीशन लेते है जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

मार्केटिंग और सेल्समैनशिप की परीक्षा 01 मार्च को

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बी.ए., बी.सी.ए. एवं बी.कॉम. प्रथम व तृतीय सेमेस्टर सत्र 2023-24 के छात्रों का कौशल विकास/माइनर वोकेशनल पाठ्यक्रम के तहत ई-टैक्सेशन/मार्केटिंग और सेल्समैनशिप की परीक्षा 01 मार्च, 2024 को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक वाणिज्य विभाग में होगी। वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजीत कुमार शुक्ल ने बताया कि मुख्य परिसर के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छूटे हुए परीक्षार्थी भी इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

डीएम व एसपी के द्वारा संयुक्त रुप से नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत पोलिंग बूथ का किया गया निरीक्षण, दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी जनपद संतकबीरनगर महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता द्वारा संयुक्त रुप से हीरीलाल रामनिवास इण्टर कालेज खलीलाबाद संतकबीरनगर व पी0बी0 गर्ल इण्टर कालेज खलीलाबाद संतकबीरनगर का निरीक्षण किया गया । मतदान के दृष्टिगत बूथों पर की गई व्यवस्थाओं विद्युतीकरण, बाउंड्रीवाल, पानी की व्यवस्था, शौचालय आदि का जायजा लिया गया तथा मतदान केंद्र पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुधार हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद ब्रजेन्द्र पटेल, पीआरओ पुलिस अधीक्षक उ0नि0 जितेन्द्र यादव सहित अन्य अधिकारी तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी के द्वारा संयुक्त रूप से संतकबीरनगर जिला कारागार का किया गया औचक निरीक्षण

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी संतकबीरनगर महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता द्वारा संयुक्त रुप से जिला कारागार संतकबीरनगर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हास्पिटल, बैरक, मेस, जेल परिसर आदि की सघन चेकिंग की गई, तत्पश्चात कैदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं तथा सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गई । मौजूद सभी कारागार कर्मियों को सख्त हिदायत दी गई कि जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाने पाये, निरीक्षण के दौरान बैरकों की तलाशी तथा परिसर, कार्यालय, हास्पिटल व मेस आदि की साफ सफाई का लिया गया जायजा। जेल परिसर के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाने व साफ सफाई आदि के सम्बन्ध में दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश समस्त कार्यवाहियों का निर्वहन पूर्ण / सही तरीके से करें । जेल परिसर की साफ-सफाई आदि के सम्बन्ध में कारागार कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।

सड़क की गुणवत्ता खराब मिलने पर होगी कार्रवाई : डॉ. अवधेश

पिंडरा। पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहाकि सड़को के गुणवत्ता से खिलवाड़ करने वाले अधिकारी व ठीकेकर के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। सड़के समय से और गुणवत्तापूर्ण हो। इसकी जांच उस क्षेत्र की जनता करेगी। शिकायत मिलने पर स्वयं जांच करूंगा। उक्त बातें गुरुवार को पिंडरा ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित लोकार्पण व शिलान्यास के दौरान कही। उन्होंने कहाकि विधान सभा क्षेत्र के 19 करोड़ की लागत से 90 सड़को का कायाकल्प होगा। जिससे आम जनता को सहूलियत मिलेगी। उक्त सड़के तय समय मे बने इसके लिए सबकी जिम्मेदारी तय होगी। उन्होंने मंच से ही पीडब्ल्यूडी और आरईएस के अधिकारियों से सड़क बनने की समय सीमा पूछने के साथ गुणवत्ता पर भी नसीहत दी। उन्होंने कहाकि सड़क खराब बनी तो वसूली अधिकारी व ठीकेकर से होगी। उन्होंने मंच से कुड़ी में बन रही खराब सड़क की गुणवत्ता पर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया और कहाकि फिर से उक्त सड़क वनवाये वरना एफआईआर दर्ज होगी।

इसके अलावा कई सड़कों की खस्ताहाली पर अधिकारियों को फटकार लगाई। शिलान्यास व लोकार्पण समारोह के दौरान उन्होंने कहाकि 3 मार्च को एक साथ जिन गांवों के सड़के बननी या बन चुकी है वहा के सम्मानित व भाजपा कार्यकर्ता शिलापट्ट पर नारियल फोड़ कर शुभारंभ करेंगे। समारोह की अध्यक्षता पूर्व ब्लॉक प्रमुख सतेंद्र सिंह व संचालन जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह व धन्यवाद ज्ञापन एक्सईन पीडब्ल्यूडी आशुतोष कुमार ने दिया। इस दौरान बीडीओ छोटेलाल तिवारी, प्रतिभा चौरसिया, एई जितेंद्र कुमार,जेई राधेश्याम, जिला मंत्री डॉ जेपी दुबे, मण्डल अध्यक्ष मनीष पाठक, सरमेश सिंह, अरविंद मिश्रा, अजय ऊदल, अभिषेक राजपूत, संतोष सिंह, बबलू मिश्रा, अतुल रावत, संदीप राय, शिवकुमार गुप्ता समेत सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय दंगल प्रतियोगिता में अंगद ने सनी को चटाया धूल

प्रखर खेतासराय (जौनपुर) । क्षेत्र के जैगहा (फरीदपुर) गांव में राज्य स्तरीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार की सायंकाल सम्पन्न हुआ । जिसमें हरियाण, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान से आये पहलवानो दाव आजमाए । करीब पचास जोड़ी ने प्रतिभाग किया । दंगल देखने के लिए दर्शकों का जमघट लगा रहा । अंगद सुल्तानपुर ने सनी इलाहाबाद को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया । द्वितीय स्थान पर बेचन यादव रहे उन्होंने राजस्थान के टाइगर पहलवान को पटखनी दी । पुरुष्कार के रूप में प्रथम को 51 हजार और द्वितीय को 21 हजार रूपया दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि पूर्व सांसद धनंजय सिंह के प्रतिनिधि नवीन सिंह, यतार्थ फॉउंडेशन के ट्रस्टी ओपी यादव, राजकमल बिंद व राजू बिंद ने संयुक्त

रूप से फीता काटकर किया । दोपहर कार्यक्रम शुरू हुआ तो सायंकाल समाप्त हो गया । सुल्तानपुर के अंगद ने सनी, उत्तराखंड के स्टील बॉडी ने राजस्थान के तूफानी, बेचन यादव ने टाईगर को पटखनी दी । वही महिला पहलवान खुशबू वाराणसी ने पिंकी मुरादाबाद को धूल चटाया । निर्णायक की भूमिका संजय यादव रहे। इस दौरान मुख्यातिथि नवीन सिंह ने कहा कि ऐसे से आयोजनों से जहाँ भाईचारगी बढ़ती है वही पहलवानों का हौंसला बढ़ता है। संचालन दीनानाथ राजभर ने किया । अंत मे आयोजक ओपी यादव ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से उमेश कुमार सिंह, डॉ सशांक कुमार मिश्र, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि चन्द्रशेखर राजभर, मिंता बिंद, प्रदीप यादव, संजू बाबा, कृष्णकांत यादव प्रबन्धक, राजेन्द्र यादव, अनिल राजभर, राजेन्द्र यादव, संजीत समेत अन्य लोग शामिल रहे।

बहू को बेटी व लक्ष्मी समझे माता पिता : डॉ. अवधेश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के ब्लॉक मुख्यालय मंगारी के प्रांगण में गुरुवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पिंडरा व बड़ागांव ब्लॉक के 60 जोड़े ने फेरे लिए। जिसमें बड़ागांव के 26 और पिंडरा के 34 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह लोगों के धार्मिक रीत रिवाज के अनुसार किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों, गायकों ने सुमधुर मांगलिक गीत प्रस्तुत किए। इस दौरान गायत्री परिवार से जुड़े लोगों ने मंत्रोच्चार के बीच विवाह संपन्न कराया। वही तीन मुस्लिम समुदाय के लोगों का निकाह मौलवी द्वारा कराया गया। विवाह समारोह के मुख्य अतिथि डा0 अवधेश सिंह विधायक ने नवदंपतियो को आशीर्वाद देते हुए कहा की इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के युवाओं का धूमधाम से पूरे विधि विधान से विवाह किया जाता है। वर के माता पिता का आह्वान करते हुए कहाकि वधू को अपनी बेटी और लक्ष्मी के समान माने।बीडीओ डा0 छोटेलाल तिवारी व प्रतिभा चौरसिया ने बताया कि प्रत्येक जोड़े पर सरकार द्वारा इक्यावन हजार रूपए खर्च किए जाते है जिसमें पैंतीस हजार रूपए वधू के खाते में, दस हजार रुपए की उपहार सामग्री दी जाती है और छह हजार रुपए टेंट, सजावट और खान पान पर खर्च किए जाते है । इस अवसर पर गायत्री परिवार के पुरोहितों द्वारा वर वधु को एक एक पौधा लगाने और नशा छोड़ने का संकल्प भी दिलाया गया। संचालन एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव ने किया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सतेंद्र, नोडल अधिकारी सुभाष कुमार, ज्वाइंट बीडीओ गिरीश मिश्र, एडीओ समाज कल्याण मोनीश खा व अर्पित श्रीवास्तव, एडीओ सहकारिता प्रियंका मिश्रा, एडीओ कैलाश यादव व अंजनी उपाध्याय उपस्थित रहे।

बिरनो में किया गया रोजगार मेला का आयोजन, 332 में 1360 का हुआ अन्तिम राउंड के लिए चयन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत कौशल विकास मिशन, गाजीपुर एवं जिला सेवायोजन कार्यालय, गाजीपुर के संयुक्त तत्वाधान में षिव पूजन सिंह इण्टर कॉलेज, केलही, बिरनो, गाजीपुर परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी कम्पनियाँ एडक्को प्रा0लि0, क्वैस सर्विस प्रा0लि0, जॉब सीकर्स स्टाप द्वारा डिक्सन, पैजेट, मिकुनी हेतु कुल 04 कम्पनियों द्वारा ट्रेनी, फील्ड आफीसर, मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, फीटर, कम्प्यूटर आपरेटर, इलेक्ट्रानिक मैनूफक्चैरिंग, हेल्पर आदि पदों पर चयन किया गया। मेले में लगभग 332 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 136 अभ्यर्थियों का अन्तिम राउंड हेतु चयन किया गया।

देखरेख के अभाव में व्यायामशाला की दुर्दशा, शासन प्रशासन ने मूंदी आंख

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिरनो ब्लॉक के भड़सर राजापुर गांव में युवकों को शारीरिक रुप से मजबूत व स्वस्थ्य बनाने को लेकर चार दशक पूर्व व्यायामशाला का निर्माण कराया गया, जो देखरेख के अभाव में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। गांव के युवाओं को खेल के प्रति जागरुकता को लेकर युवा कल्याण एवं खेलकूद विभाग की ओर से व्यायामशाला का निर्माण कराया गया। तब गांव के युवाओं में इस बात को लेकर उत्साह था कि अब उन्हें उचित प्रशिक्षण के साथ खेल सामग्री उपलब्ध होगा। इतना ही नहीं शासन की ओर से एक बड़ा हाल, खेल सामग्री व एक प्रशिक्षक की नियुक्ति भी गयी परन्तु प्रशिक्षण दे रहे प्रशिक्षक को मानदेय न मिलने से वह भी कुछ ही दिनों में व्यायामशाला को बॉय-बॉय कह कर चले गये। तबसे आज तक न तो प्रशिक्षक की तैनाती हुई और न ही भवन के रखरखाव का ध्यान दिया गया। मौजूद समय में व्यायामशाला में रखे सामान तो दूर

भवन के खिड़की, दरवाजे तक गायब हो चुके हैं। आज व्यायामशाला केवल खण्डहर बन कर रह गया है। इस बाबत ग्राम प्रधान विनोद गुप्ता ने बताया की युवक मिलन केंद्र व्यायामशाला के लिए प्रदेश सरकार के खेलकूद मंत्री गिरीशचंद्र यादव को पत्रक दिया गया उनके द्वारा ग्रामीणों को भी आश्वासन दिया गया कि जल्दी व्यायाम शाला केंद्र व मिनी स्टेडियम ग्रामीणों को सौगात के तौर पर दिया जाएगा। वही गांव के सुंदर राजभर, वीरेंद्र सिंह, सुरेश राम ,राजेश यादव, अखिलेश पाल, संतोष खरवार आदि ने बताया कि खेल सामग्री व उचित देखरेख के अभाव में गांव में बनी व्यायामशाला अपना अस्तित्व खोने के कगार पर पहुंच गयी। वही इस संबंध में जब प्रादेशिक युवा कल्याण अधिकारी सुरेंद्र सोनकर नेने बताया कि विभाग की ओर से कोई धनराशि उपलब्ध न कराये जाने से यह स्थिति बनी हुई है। वैसे वे उच्चाधिकारियों से इस संबंध में वार्ता करेंगे। मैं इस समय राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के कार्यक्रम में प्रयागराज में हूं।

मुख्यमंत्री ने दिया जिले को 2 अग्नि शमन केंद्र एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने किया लोकार्पण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 25 जनपदों में 38 अग्निशमन केंद्रो का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया जिसके क्रम में गाजीपुर जनपद को भी दो नए केंद्र 14 करोड़

35 लाख के लागत से नवनिर्मित अग्निशमन केंद्र एवं आवासीय भवन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया। गाजीपुर के जमानिया स्थित सैदाबाद मे अग्निशमन केंद्र एवं आवासीय भवन तथा मोहम्मदाबाद स्थित परसा में अग्निशमन केन्द्रो का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। जिसका लोकार्पण गाजीपुर एमएलसी विशाल सिंह चंचल के कर कमलो द्वारा किया गया। मौके पर गाजीपुर पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह भी मौजूद रहे। इस मौके पर एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने कहा कि जनता को बेहतरीन आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार एवं अग्निशमन विभाग युद्ध स्तर पर क्रियाशील है। एमएलसी ने कहा कि पिछली सरकारों में जितने कार्य रुके हुए थे, आज योगी आदित्यनाथ महाराज की सरकार में सभी कार्यों को तेज गति के साथ पूर्ण किया जा रहा है। उद्घाटित अग्निशमन केंद्र के क्षेत्रीय लोगो को अग्निशमन केंद्र मिलने पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया तथा कार्यक्रम में आए हुए लोगों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख राजन सिंह, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत, क्षेत्राधिकार जमानिया अनूप सिंह, मंडल अध्यक्ष निपेंद्र उपाध्याय, अरविंद राय, सुनील सिंह, ग्राम प्रधान सैदाबाद संदीप गुप्ता, बिंदु विश्वकर्मा, अशोक यादव, अनिल यादव, शकील खान, विपिन राय, योगी हर्ष, राकेश सिंह अंशु, राजेश सिंह, एमएलसी प्रतिनिधि डॉक्टर प्रदीप पाठक, अनूप जायसवाल, अमित नागवंशी सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

28 फरवरी को जिला स्तरीय खोखो व कबड्डी के आयोजन के लिए खेल सचिवों ने किया मंथन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला खेल कार्यालय, गाजीपुर के तत्वावधान में दिनांक 28 फरवरी 24 को सीनियर महिला/पुरूषो वर्ग की जिला स्तरीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु जिला खेल संघों के सचिवों के साथ आहूत बैठक की गयी, जिसमे जिला स्तरीय प्रतियोगिता पर व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विचार विमर्श किया गया। उक्त बैठक में श्री पारसनाथ सिंह उपाध्यक्ष जिला वॉलीबाल संघ गाजीपुर, अमरजीत सिंह अध्यक्ष जिला एथलेटिक्स संघ गाजीपुर, अकरम अहमद सचिव जिला कबड्डी संघ गाजीपुर, राधेश्याम सिंह यादव, पूर्व खो-खो प्रशिक्षक गाजीपुर, विजय एथलेटिक्स प्रशिक्षक खेलो इण्डिया सेन्टर गाजीपुर मौजूद रहें, उक्त बैठक में खेल संघों के साथ प्रतियोगिता कराये जाने का निर्णय लिया गया। जिसका विवरण निम्नवत है। दिनांक 13 मार्च 24 को बालक/बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन, दिनांक 13 मार्च 24 को बालिकाओं की कबड्डी प्रतियोगिता, दिनांक 14 मार्च 24 को बालकों की वॉलीबाल प्रतियोगिता एवं दिनांक 14 मार्च 24 को बालिकाओं की खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

कासिमाबाद पुलिस ने किया 2 अभियुक्ता सहित 3 वांछित अभीयुक्तों को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर आदेश के क्रम में अपराध एवम् अपराधियों के विरूध्द चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में गुरुवार को मा0 न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गाजीपुर द्वारा जारी किये गये गैर जमानती वारंट के वांछित अभियुक्तगण के धरपकड़ हेतु वरिष्ठ उप निरीक्षक रवि प्रकाश मय हमराह, टीम मिशन शक्ति महिला उप निरीक्षक पल्लवी सिंह मय हमराह के द्वारा फौ0मु0 7120/20 धारा 147/323/504/506/452/308 भादवि थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 03 नफर वांछित अभियुक्तो को उनके घर ग्राम इन्दौर से समय 14.12 बजे गिरफ्तार कर मा0न्यायालय गाजीपुर के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तो में शिवमंगल राम पुत्र लालू राम नि0ग्राम इन्दौर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर उम्र 48 वर्ष, मेवली उर्फ कलावती पत्नी शिवमंगल राम निवासी ग्राम इन्दौर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर उम्र 46 वर्ष, कंचन भारती पुत्री शिवमंगल राम नि0गण ग्राम इन्दौर थाना कासिमाबाद जनपद

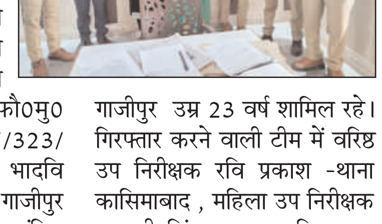

गाजीपुर उम्र 23 वर्ष शामिल रहे। गिरफ्तार करने वाली टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक रवि प्रकाश -थाना कासिमाबाद , महिला उप निरीक्षक पल्लवी सिंह- थाना कासिमाबाद, हेड कांस्टेबल आबिद अली, कांस्टेबल अमित कुमार- थाना कासिमाबाद, महिला कांस्टेबल सोनिया शुक्ला थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं